Postal Regn No./C.G./RYP DN/48/2023-25 www.dainikvishwaparivar.com रायपुर (छ.ग.) एवं झांसी (उ.प्र.) से एक साथ प्रकाशित राष्ट्रीय हिन्दी पत्र

# दैनिक विश्व परिवार

● अंक : 261 ● वर्ष : 13 ● रायपुर, शनिवार 21 मार्च 2026 ● पृष्ठ : 12 ● मूल्य : 3 रूपए ● संस्थापक : कीर्तिशेष- श्री कैलाश चन्द्र जैन

**सुविचार**

जैन धर्म का मूल विस्तार यह है कि वह प्रत्येक आत्माओं को परमात्मा बनाने की क्षमता को बताता है।

The fundamental of jainism is that it explains every soul's capability to become god.

आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज

# छग में जमीन-मकान खरीदना हुआ सस्ता

**रायपुर ( विश्व परिवार )।** छत्तीसगढ़ विधानसभा ने छत्तीसगढ़ उपकर (संशोधन) विधेयक, 2026 को आज ध्वनिमत से पारित कर दिया। इस विधेयक के पारित होने से अचल संपत्ति की रजिस्ट्री पर बाजार मूल्य के आधार पर लगाया जाने वाला 0.60 प्रतिशत उपकर समाप्त हो गया है। वाणिज्यिक कर मंत्री ओ पी चौधरी ने बताया कि इस निर्णय से प्रदेश के आम नागरिकों, किसानों, मध्यमवर्गीय परिवारों तथा संपत्ति के क्रय-विक्रय से जुड़े लाखों लोगों को सीधा लाभ मिलेगा।

छत्तीसगढ़ उपकर समाप्त होने से अब संपत्ति पंजीयन की लागत में कमी आएगी। उदाहरण के तौर पर एक करोड़ रुपये के बाजार मूल्य की संपत्ति पर नागरिकों को लगभग 60 हजार रुपये की सीधी बचत होगी, इससे जमीन-मकान की रजिस्ट्री अधिक सुलभ, सरल और कम खर्चीली बनेगी। इस अवसर पर विधानसभा में विधेयक प्रस्तुत करते हुए मंत्री चौधरी ने कहा कि यह विधेयक केवल एक विधिक संशोधन नहीं, बल्कि राज्य सरकार की जनहित, लोककल्याण और कर-व्यवस्था में न्यायपूर्ण सुधार के प्रति प्रतिबद्धता का सशक्त प्रतीक है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार का स्पष्ट मत है कि शासन का उद्देश्य केवल राजस्व अर्जित करना नहीं, बल्कि जनता के जीवन को सरल, सुलभ और सम्मानजनक बनाना है। वाणिज्यिक कर मंत्री चौधरी ने कहा कि राज्य सरकार ने सितंबर 2025 में जीएसटी 2.0 के माध्यम से आम जनता के उपयोग की वस्तुओं एवं सेवाओं पर व्यापक कर रियायतें प्रदान कीं, जिससे आम नागरिकों की निर्वाह लागत में कमी आई।

## छातिम के वृक्ष से राजधानी में फैल रहा अस्थमा रोग

**रायपुर।** राजधानी के दक्षिण विधानसभा क्षेत्र के विधायक सुनील कुमार सोनी ने छातिम वृक्ष से लोगों के स्वास्थ्य पर पड़ रहे विपरीत प्रभाव का मामला उठाया, उन्होने कहा कि राजधानी में लगे छातिम के वृक्षों पर तत्काल प्रतिबंध लगाना चाहिए। पर्यावरण मंत्री ने कहा कि वन विभाग एवं स्वास्थ्य विभाग की टीम बनाकर रिपोर्ट ली जाएगी उसके पश्चात कार्यवाही करेंगे। विधानसभा में आज सुनील सोनी ने कहा कि छातिम वृक्ष के स्वास्थ्य संबंधी दुष्प्रभाव देखते हुए उसके रोपण पर प्रतिबंध लगाया गया है। छत्तीसगढ़ तथा राजधानी में भी बड़ी संख्या में यह वृक्ष लगाए गए, जिससे लोगों में अस्थमा सहित अन्य बीमारियां फैल रही है। इसलिए इस पर तत्काल प्रतिबंध लगाना चाहिए।

## प्रदूषण को लेकर नेता प्रतिपक्ष ने पर्यावरण मंत्री को घेरा

विधानसभा में आज नेता प्रतिपक्ष चरण दास महंत ने छत्तीसगढ़ के विभिन्न जिलों में उद्योगों द्वारा खतरनाक अपशिष्ट उत्पन्न करने से लोगों के स्वास्थ्य पर पड़ रहा विपरीत असर को लेकर पर्यावरण मंत्री ओपी चौधरी को घेरा। पर्यावरण मंत्री ओपी चौधरी ने कहा कि राज्य में जल एवं वायु प्रदूषण फैलाने वाले उद्योगों में ऑनलाइन सिस्टम के स्थापना की गई है। भविष्य में लघु, मध्यम एवं बड़े उद्योगों द्वारा औद्योगिक प्रदूषण पर नियंत्रण पाने के लिए पर्यावरण संरक्षण मंडल के कार्यालय विभिन्न जिलों में खोले गए हैं। विधानसभा में आज नेता प्रतिपक्ष ने विभिन्न जिलों में स्थापित औद्योगिक उद्योगों द्वारा पर्यावरण को खतरा पहुंचाने का मामला उठाया।

## विधानसभा बजट सत्र का समापन, सीएम साय ने सहयोग के लिए आभार जताया

**रायपुर ( विश्व परिवार )।** विधानसभा के बजट सत्र के सफल समापन पर मंत्रीगण एवं विधायकगण ने मुख्यमंत्री विष्णु देव साय से विधानसभा स्थित उनके कार्यालय में भेंट कर उन्हें बधाई दी।

मुख्यमंत्री श्री साय ने इस अवसर पर सभी जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों एवं कर्मचारियों के सामूहिक प्रयासों की सराहना करते हुए आभार व्यक्त किया और सफल सत्र के लिए सभी को बधाई दी। उन्होंने कहा कि सभी के समन्वय और सहयोग से ही यह सत्र सार्थक और सफल बन पाया है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि विधानसभा लोकतंत्र का पावन मंदिर है और लोकतांत्रिक मूल्यों को सशक्त बनाना ही इसका मूल दायित्व है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि इस बजट सत्र के दौरान लगभग 585 आत्मसमर्पित नक्सलियों ने विधानसभा की कार्यवाही का अवलोकन किया जो एक अत्यंत प्रेरणादायक पहल है। इससे यह संदेश गया है कि राज्य सरकार भटके हुए युवाओं को मुख्यधारा से जोड़ने के लिए गंभीरता से कार्य कर रही है, जिसका सीधा संबंध राज्य की आंतरिक सुरक्षा, शांति और समृद्धि से है। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस बजट सत्र में कुल 15 बैठकें आयोजित हुईं और यह सत्र अत्यंत महत्वपूर्ण एवं परिणामकारी रहा। सत्र के दौरान माननीय राज्यपाल के अभिभाषण पर सदन द्वारा कृतज्ञता व्यक्त की गई तथा वित्तीय वर्ष 2026-27 का बजट पारित किया गया।

## प्रीमियम पेट्रोल 2 रुपए प्रति लीटर महंगा

**नई दिल्ली।** पश्चिम एशिया में बढ़ते तनावों के कारण वैश्विक कच्चे तेल की कीमतों में बढ़ोतरी के बीच तेल विपणन कंपनियों ने शुक्रवार को प्रीमियम पेट्रोल की कीमतों में 2.09 रुपए प्रति लीटर की बढ़ोतरी कर दी गई है, जो 20 मार्च से ही लागू हो गई है।

हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड और इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड सहित सरकारी तेल विपणन कंपनियों ने अपने प्रीमियम पेट्रोल वेरिएंट की कीमतों में लगभग 2.09 रुपए से 2.35 रुपए प्रति लीटर की वृद्धि की है। इस बदलाव के साथ, पावर पेट्रोल और एक्सपी95 जैसे ब्रांडेड फ्यूल की कीमत लगभग 111.68 रुपए प्रति लीटर से बढ़कर लगभग 113.77 रुपए प्रति लीटर हो गई है। हालांकि, सामान्य पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है, जिससे आम वाहन चालकों को कुछ राहत मिली है।

इस फैसले का असर खासतौर पर उन उपभोक्ताओं पर पड़ेगा जो हाई-ऑक्टेन या प्रीमियम पेट्रोल का इस्तेमाल करते हैं।

## बिलासपुर-रायगढ़-ओडिशा कनेक्टिविटी को नई रफ्तार

**बिलासपुर ( विश्व परिवार )।** शहर के लिए महत्वपूर्ण राष्ट्रीय राजमार्ग एनएच-49 के शेष हिस्से को फोरलेन बनाने की दिशा में बड़ी पहल शुरू हो गई है। छत्तीसगढ़ के इस प्रमुख औद्योगिक मार्ग को उन्नत करने के लिए लोक निर्माण विभाग ने अकलतरा के तरौद चौक से रायगढ़ होते हुए ओडिशा बॉर्डर तक फोरलेन सड़क निर्माण की योजना तैयार की है। राज्य शासन ने 155 किलोमीटर लंबी इस सड़क परियोजना को मंजूरी दी है। इसमें तरौद चौक अकलतरा से रायगढ़ तक 115 किलोमीटर और रायगढ़ से ओडिशा बॉर्डर तक 40 किलोमीटर का हिस्सा शामिल है।

## राष्ट्रपति ने प्रेमानंद महाराज से भेंट कर अध्यात्म पर की चर्चा

**वृंदावन।** राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु उत्तर प्रदेश के तीन दिवसीय दौरे पर हैं। इस दौरान शुक्रवार को राष्ट्रपति वृंदावन पहुंची, जहां उन्होंने श्री हित राधा केली कुंज आश्रम में प्रसिद्ध संत प्रेमानंद महाराज से मुलाकात की। सुरक्षा के कड़े इंतजामों के बीच हुई इस शिष्टाचार भेंट में राष्ट्रपति और महाराज ने मुख्य रूप से अध्यात्म, सेवा और जनकल्याण जैसे विषयों पर चर्चा की।

## युद्ध के असर से थमने लगे 40 फीसदी ट्रकों के पहिए

**रायपुर( विश्व परिवार )।** पश्चिम एशिया में पिछले 20 दिन से जारी संघर्ष के चलते ट्रकों के पहिए धीरे-धीरे थमने लगे हैं। बंदरगाह में गिनती के पानी जहाजों का संचालन करने के कारण 40 फीसदी तक ट्रकों का संचालन थम गया है। छत्तीसगढ़ से खाड़ी के देशों, अफ्रीकन देशों के साथ होने वाले चावल, टाइल्स,लोहा और ड्राई

फ्रूट का कारोबार होता है लेकिन, युद्ध के चलते बंदरगाहों में अघोषित बंद के चलते माल परिवहन प्रभावित हुआ है।

ट्रांसपोर्टरों और कारोबारियों का कहना है कि युद्ध अधिक दिनों तक चलने पर आयात-निर्यात पर असर पड़ने से ट्रकों से माल की आवक जावक कम हो गई है। खासतौर पर गैस आधारित फैक्ट्रियों, प्लास्टिक इंडस्ट्रीज और माल के उत्पाद के परिवहन पर असर पड़ा है। क्रेडिट में कारोबार करने वाले व्यापारी युद्ध के हालात में ज्यादा माल नहीं मंगा रहे हैं, क्योंकि आर्डर देने के बाद भी आपूर्ति प्रभावित हुई है।

## आज मनाई जाएगी ईद, देशभर में सुरक्षा बढ़ाई

**नई दिल्ली।** ईद-उल-फितर के जश्न के लिए देश के विभिन्न हिस्सों में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है, क्योंकि इस त्योहार से पहले, रमजान के आखिरी दिन नमाज अदा करने के लिए नमाजी इकट्ठा हुए। धर्मगुरुओं ने घोषणा की है कि भारत में ईद-उल-फितर शनिवार को मनाई जाएगी, क्योंकि गुरुवार शाम को चांद नहीं दिखा। हालांकि, केरल में यह त्योहार शुक्रवार को ही मनाया गया। उत्तराखंड में हरदोई के पुलिस अधीक्षक (एसपी) अशोक कुमार मीणा ने कहा कि ईद-उल-फित्र त्योहार और चल रही चैत्र नवरात्रि को देखते हुए सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए गए हैं।

आज की 'अलविदा नमाज' के लिए हम कई जगहों पर फ्लैग मार्च कर रहे हैं और सभी मस्जिदों पर पुलिसकर्मी भी तैनात किए हैं। जिले को सेक्टरों और जोन में बांटा गया है। कहीं भी कोई दिक्कत नहीं है। हम किसी भी तरह के असामाजिक तत्वों पर भी नजर रख रहे हैं।

## पार्षद देवदत्त द्विवेदी के नेतृत्व में द केरला स्टोरी 2 का नि:शुल्क फिल्म प्रदर्शन




**रायपुर (विश्व परिवार)।** स्वामी विवेकानंद विचार मंच रायपुर महानगर के संरक्षक और वार्ड नंबर-10 के पार्षद देवदत्त द्विवेदी के नेतृत्व में 18 मार्च को अम्बुजा मॉल में द केरला स्टोरी 2का विशेष निशुल्क फ़िल्म प्रदर्शन आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में 274 से अधिक बहनों ने भाग लिया।

इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य हिंदू समाज को जागरूक करना और इस्लामिक कट्टरवाद व लव-जिहाद से स्वयं और अपनों को सुरक्षित करने के प्रति सचेत करना था। फ़िल्म में इन मुद्दों को बहुत ही सटीकता से प्रस्तुत किया गया है।

इस अवसर भारतीय जनता पार्टी प्रदेश महामंत्री डॉ नवीन मारकण्डेय जी ये समस्त भाजपा पदाधिकारी उपस्थित रहे लोगों ने फ़िल्म के माध्यम से समाज में जागरूकता फैलाने के प्रयास की सराहना की!

## 2.25 लाख तत्काल जमा निगम की सख्ती रंग लाई: कार्रवाई से पहले ही भरना पड़ा वर्षों का अनुज्ञा शुल्क




**दुर्ग (विश्व परिवार)।** नगर पालिक निगम सीमा क्षेत्र अंतर्गत आज आयुक्त सुमित अग्रवाल के सख्त निर्देश पर नगर निगम की लाइसेंस शाखा एवं राजस्व विभाग की टीम न्यू बस स्टैंड स्थित पंजाब बार को सीलबंद करने पहुंची। निगम की इस सख्त कार्रवाई के मद्देनज़र बार संचालक में हड़कंप मच गया और सीलबंदी की कार्रवाई से बचने के लिए उसने तत्काल पांच वर्षों का लंबित अनुज्ञा शुल्क, कुल 2 लाख 25 हजार रुपये, मौके पर ही जमा कर दिया।उल्लेखनीय है कि पंजाब बार द्वारा पिछले पांच वर्षों से अनुज्ञा शुल्क जमा नहीं किया गया था।

नगर निगम द्वारा इस संबंध में तीन बार नोटिस जारी किए गए, लेकिन संचालक की ओर से न तो कोई जवाब दिया गया और न ही शुल्क जमा करने की पहल की गई। लगातार अनदेखी के चलते निगम प्रशासन को सख्त कदम उठाने के लिए मजबूर होना पड़ा।आज जब निगम की टीम सीलबंदी की कार्रवाई के लिए मौके पर पहुंची, तब कार्रवाई के भय से संचालक ने तत्काल बकाया राशि जमा कर दी।

इस कार्रवाई से स्पष्ट हो गया कि नगर निगम अब बकायादारों के खिलाफ किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं करेगा।

आयुक्त सुमित अग्रवाल ने स्पष्ट कहा कि नगर निगम की आय से जुड़े मामलों में किसी भी प्रकार की ढिलाई नहीं बरती जाएगी। सभी बकायादारों को समय पर अपने कर एवं अनुज्ञा शुल्क जमा करना अनिवार्य है।


### कार्यालय नगर पालिका परिषद, बलौदाबाजार, जिला-बलौदाबाजार-भाटापारा (छ.ग.)
Tel. No. 07727-223138 E-mail:cmobalodabazar@rediffmail.com & cmobalodabazar@ymail.com

क्रमांक 1157 लो.नि.वि./ न.पा.प. / 2026 — बलौदाबाजार, दिनांक 20/03/2026

**!! मैन्यूअल निविदा आमंत्रण सूचना !!**

नगर पालिका परिषद बलौदाबाजार, जिला-बलौदाबाजार-भाटापारा (छ.ग.) में विधायक निधि अंतर्गत निम्नांकित निर्माण कार्य (एस. ओ.आर. CGPWD Building SOR w.e.f. 01.01.2015, CG PWD Road SOR w.e.f. 01.01.2025 & CG PWD Electrical SOR w.e.f. 01.06.2020 एवं अद्यतन संशोधित) हेतु एकीकृत पंजीकृत प्रणाली अंतर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत फर्मों/ठेकेदारों से त्री-लिफाफा पद्धति में रजिस्टर्ड / पंजीकृत डॉक के माध्यम से निविदा प्रपत्र "अ" अंतर्गत निविदा आमंत्रित की जाती है:-

01. निविदा प्रपत्र हेतु आवेदन करने की अंतिम तिथि - **06.04.2026** कार्यालयीन अवधि तक।
02. परीक्षण उपरांत खाली निविदा प्रपत्र जारी करने की अंतिम तिथि - **07.04.2026** कार्यालयीन अवधि तक।
03. निविदा प्रारूप में पंजीकृत डॉक से निविदा प्राप्त होने की अंतिम तिथि - **13.04.2026** समय दोपहर 03:00 बजे तक।
04. प्राप्त निविदाएं खोलने की तिथि -**13.04.2026** समय शाम 04:00 बजे से।

| क्र. | कार्य का नाम | लागत राशि (लाख में) | अमानत राशि (एफडी.आर. के माध्यम से) | निविदा फार्म शुल्क | समयावधि |
|---|---|---|---|---|---|
| 01 | 02 | 03 | 04 | 05 | 06 |
| 01 | विधायक निधि अंतर्गत शेड निर्माण (दुर्गा मंदिर के पास)। | 5.00 | 5000.00 | 750.00 | 02 माह |

उपरोक्त कार्य की निविदा की सामान्य शर्तें, धरोहर राशि, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज एवं अन्य जानकारी वेबसाईट www.uad.cg.gov.in/UADTender_Uploder/HomeReports.asp&# एवं कार्यालय के लोक निर्माण विभाग शाखा से कार्यालयीन समय में प्राप्त की जा सकती है।

**मुख्य नगर पालिका अधिकारी**
**नगर पालिका परिषद, बलौदा बाजार**


## धर्म स्वातंत्र्य विधेयक संशोधन स्वागत योग्य, प्रदेश की विष्णुदेव सरकार का आभार : भाजपा



**रायपुर (विश्व परिवार)।** भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता नलिनीश ठोकने ने विधानसभा सत्र के दौरान मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय एवं उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा द्वारा विधानसभा में धर्म स्वातंत्र्य विधेयक संशोधन जिसे विधानसभा में ध्वनिमत से पारित किया गया जिस हेतु आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि धर्म स्वातंत्र्य विधेयक में किए गए संशोधन प्रदेश के हर उस वर्ग को राहत प्रदान करेगा जो धर्मांतरण के दंश से लगातार जूझ रहे थे जहां प्रलोभन, दबाव से एवं भ्रमित करके धर्मांतरण कराने वाले लोगों द्वारा भोलेभाले छत्तीसगढ़ियों को धर्मांतरित किया जाता रहा है। अब इस विधेयक संशोधन से धर्मांतरण के धंधे में प्रभावी रूप से लगाम लगाई जा सकेगी। उन्होंने स्वर्गीय दिलीप सिंह जूदेव जी का स्मरण करते हुए कहा कि प्रदेश में धर्मांतरण रोकने के लिए स्व. दिलीप सिंह जूदेव जी ने लगातार प्रयास किया और घर वापसी का जमीनी कार्यक्रम खड़ा किया। जो प्रदेश में लगातार चलता रहा और धर्म स्वातंत्र्य विधेयक संशोधन पारित होने में स्व. दिलीप सिंह जूदेव का बड़ा योगदान भी है।

भाजपा प्रदेश प्रवक्ता श्री ठोकने ने कहा कि विधेयक पारित होने पर कांग्रेस का सदन से पलायन स्पष्ट रूप से साबित करता है कि कौन सा दल अवैध धर्मांतरण का पक्षधर है। कांग्रेस पार्टी जनजातीय समाज के हितों के साथ नहीं अपितु धर्मांतरण कराने वाले लोगों के साथ खड़ी है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व वाली सरकार ने सभी समाजों के हितों का ध्यान रखते हुए विधेयक में संशोधन किया ।

## नया धर्म स्वातंत्र्य विधेयक केवल प्रचार की भूख में भाजपा का राजनैतिक पाखंड : कांग्रेस



**रायपुर (विश्व परिवार)।** छत्तीसगढ़ धर्म स्वातंत्र्य विधेयक को केवल प्रचार की भूख में भाजपा का राजनैतिक इवेंट करार देते हुए प्रदेश कांग्रेस कमेटी के वरिष्ठ प्रवक्ता सुरेंद्र वर्मा ने कहा है कि लगभग इसी तरह के कानूनों पर सर्वोच्च न्यायालय ने 12 राज्यों को नोटिस जारी हुआ है, 2006 में रमन सिंह की सरकार में भी इसी तरह का मैसेज देने की नौटंकी किया गया था, इस कानून में भी कुछ नया नहीं है, 2006 के संशोधनों का ही कॉपी पेस्ट है। असलियत यह है कि भाजपा सरकार धर्मांतरण का समुचित समाधान चाहती ही नहीं, नए कानून के नाम पर केवल राजनीति करना चाहती है। विधानसभा में कांग्रेस के विधायकों ने विधेयक को समीक्षा के लिए प्रवर समिति को सौंपने की मांग की, ताकि संवैधानिक समीक्षा हो सके, लेकिन इस सरकार ने विपक्ष की मांग को बिना विचार के खारिज कर दी। सरकार के अधिनायकवादी रवैये के बाद कांग्रेस ने कार्यवाही का बहिष्कार किया। प्रदेश कांग्रेस कमेटी का वरिष्ठ प्रवक्ता सुरेंद्र वर्मा ने कहा है कि डर, लालच या धोखा देकर धर्मांतरण कराना न केवल असंवैधानिक है, बल्कि पहले से ही कानूनन अपराध भी है। यह सरकार अपनी अक्षमता छुपाने के लिए केवल प्रक्रिया और सजा के प्रावधानों में बदलाव करके अपनी जिम्मेदारी से बचना चाहती है।प्रदेश कांग्रेस कमेटी के वरिष्ठ प्रवक्ता सुरेंद्र वर्मा ने कहा है कि नए धर्म स्वातंत्र्य कानून संवैधानिक और मौलिक अधिकारों की कसौटी पर खरा उतरेगा इसमें सरकार को ही संशय है। संविधान विशेषज्ञों का मत है कि यह कानून संविधान के अनुच्छेद 14, 15 और 21 के तहत मिले समानता और निजता के अधिकार का उल्लंघन करता है।


### कार्यालय, नगर पंचायत चंदखुरी, जिला-रायपुर (छ0ग0)
E-mail-cmochandkhuri@gmail.com

क्रमांक/3005/न0पं0 / लो0नि0वि0 / 2026 — चंदखुरी, दिनांक 20/03/2026

**-:: मैन्युअल द्वितीय निविदा आमंत्रण सूचना ::-**

नगर पंचायत चंदखुरी द्वारा एकीकृत पंजीयन प्रणाली अन्तर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से PWD SOR (सड़क / भवन) 1.1.2015 कम/अधिक प्रतिशत दर पर निविदा प्रपत्र "अ" में पंजीकृत डाक (त्रि-लिफाफा पद्धति) से मैन्युअल/ई-निविदा आमंत्रित की जाती है :-

निविदा प्रपत्र प्राप्त करने हेतु आवेदन प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि - 06/04/2026 समय 3:00 बजे
निविदा प्रपत्र प्रदाय की अंतिम तिथि - 10/04/2026 समय 5:30 बजे
निविदा दर प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि एवं समय - 17/04/2036 समय 4:00 बजे
निविदा प्रपत्र खोले जाने की तिथि एवं समय - 17/04/2006 समय 5:00 बजे

| क्र. | कार्य का विवरण | लागत राशि (लाख में) | अमानत राशि (रू. में) | निविदा प्रपत्र शुल्क (रू.में) | कार्य अवधि |
|---|---|---|---|---|---|
| 01 | 02 | 03 | 04 | 05 | 06 |
| 01 | कृष्णा वर्मा के घर से रूपचंद साहू के घर तक आर.सी.सी. नाली निर्माण कार्य | 1.99 | 2000/ | 300/ | 04 माह |
| 02 | दाऊलाल साहू के घर से रामनाथ मारकण्डे के घर तक आर.सी.सी. नाली निर्माण कार्य | 1.51 | 2000/ | 300/ | 04 माह |
| 03 | अश्वनी वर्मा के घर से भरत निर्मलकर के घर तक आर.सी.सी. नाली निर्माण कार्य | 1.60 | 2000/ | 300/ | 04 माह |
| 04 | वार्ड क्र. 02 सामुदायिक भवन में सीढ़ी निर्माण एवं एस.एस. रेलिंग कार्य | 1.56 | 2000/ | 300/ | 04 माह |
| 05 | वार्ड क्रमांक 02 स्थित नवीन स्कूल मे बाऊंड्रीवाल एवं गेट निर्माण / स्थापना कार्य | 3.75 | 3750/ | 750/ | 04 माह |
| 06 | प्रायमरी स्कूल मुनगेसर में बाउण्ड्रीवॉल निर्माण एवं मरम्मत कार्य वार्ड क्र.13 | 2.01 | 2050/ | 750/ | 04 माह |
| 07 | वार्ड क्र. 05 सामुदायिक भवन में सीढ़ी एवं रेलिंग कार्य | 1.30 | 2000/ | 300/ | 04 माह |

उपरोक्त निर्माण कार्यों की निविदा की सामान्य शर्ते, धरोहर, राशि, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज एवं अन्य जानकारी निविदा दिनांक से कार्यालयीन अवधि में देखी व प्राप्त की जा सकेगी, साथ ही यह कि, मैनुअल निविदा की विस्तृत जानकारी कार्यालय न0पं0 सूचना पटल एवं विभाग की वेबसाईट www.uad.cg.gov.in पर भी उपलब्ध है।

**मुख्य नगरपालिका अधिकारी**
**नगर पंचायत चंदखुरी**



### कार्यालय, नगर पालिक निगम राजनांदगांव (छ.ग.)
**// प्रथम निविदा सूचना //**

क्रमांक /361/ / लोककर्म/2025-26, — राजनांदगांव दिनांक 19/3/2026

नगर पालिक निगम, राजनांदगांव द्वारा सांसद / विधायक निधि अंतर्गत निम्न कार्यों हेतु पंजीकृत डाक / स्पीड पोस्ट के माध्यम से कार्यालय में निविदाएँ आमंत्रित की जाती है:-

| क्र. | कार्य का नाम | राशि रू. (लाख मे) | अंतिम तिथि |
|---|---|---|---|
| 1 | विधायक निधि अंतर्गत वार्ड नं. 01 बजरंगपुर नवागांव में बोर खनन सह पम्प कार्य। (प्रथम निविदा) | 1.60 | 10-4-26 |
| 2 | विधायक निधि अंतर्गत वार्ड नं. 34 कन्हारपुरी धान उपार्जन केन्द्र में बोरवेल खनन सह पम्प कार्य। (प्रथम निविदा) | 1.60 | 10-4-26 |
| 3 | विधायक निधि अंतर्गत वार्ड नं. 19 पुलिस लाईन गौशाला के पास में बोरवेल खनन सह पम्प कार्य। (प्रथम निविदा) | 1.60 | 10-4-26 |
| 4 | विधायक निधि अंतर्गत वार्ड नं. 47 मोहारा गौशाला के पास में बोरवेल खनन सह पम्प कार्य। (प्रथम निविदा) | 1.60 | 10-4-26 |
| 5 | विधायक निधि अंतर्गत पेयजल हेतु सम्बर्सिबल पम्प टंकी निर्माण नवागांव, गोकुल नगर, पेण्ड्री, महामाया चौक अन्य स्थल कार्य। (प्रथम निविता) | 5.00 | 10-4-26 |
| 6 | विधायक निधि अंतर्गत वार्ड नं. 15 पं. किशोरीलाल शुक्ल विधि महाविद्यालय में पाथवे निर्माण कार्य। (प्रथम निविदा) | 7.00 | 10-4-26 |

उपरोक्त निर्माण कार्यो की निविदा से संबंधित सामान्य शर्ते धरोहर राशि, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज एवं अन्य जानकारी कार्यालयीन अवधि में कार्यालय से एवं विभागीय वेबसाईट www.mcrjn.com एवं www.uad.cg.gov.in से प्राप्त की जा सकती है।

**आयुक्त**
**नगर पालिक निगम राजनांदगांव**



### कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-8)
मोहबा बाजार, रायपुर
E-mail ID - rmczone8@gmail.com

पत्र क्र. /27693/ न.पा.नि./जोन क्र.-8/2026
रायपुर, दिनांक 20-03-2026

**इश्तिहार**

नामांतरण प्र.क्र. 27693
वार्ड का नाम- 2 -पं. जवाहर लाल नेहरू वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 2 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR801U00012** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **SANTOSH KUMAR SAHU** पिता/पति, श्री/श्रीमती **LT.GUHARI RAM SAHU** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **RAJNISH KUMAR** पिता/पति, श्री/श्रीमती **GANPATI HARIJAN** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **मलमा बिक्रीनामा क्रेता द्वारा दिया गया शपथ** / वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
**श्रीमती राजेश्वरी पटेल**
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-(8)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)



### कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-8)
मोहबा बाजार, रायपुर
E-mail ID - rmczone8@gmail.com

पत्र क्र. /29561/ न.पा.नि./जोन क्र.-8/2026
रायपुर, दिनांक 19-03-2026

**इश्तिहार**

नामांतरण प्र.क्र. 29561
वार्ड का नाम- 20 - रामकृष्ण परमहंस वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 20 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR802E00012** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **ANIL KUMAR AGRAWAL** पिता/पति, श्री/श्रीमती **K.L AGRAWAL** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **SMT. SUDHA AGRAWAL** पिता/पति, श्री/श्रीमती **RAJESH AGRAWAL** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख** / वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
**श्रीमती राजेश्वरी पटेल**
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-(8)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)



### कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-8)
मोहबा बाजार, रायपुर
E-mail ID - rmczone8@gmail.com

पत्र क्र. /29549/ न.पा.नि./जोन क्र.-8/2026
रायपुर, दिनांक 19-03-2026

**इश्तिहार**

नामांतरण प्र.क्र. 29549
वार्ड का नाम- 20 - रामकृष्ण परमहंस वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 20 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR802E00588** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **SUCHITRA SHARMA** पिता/पति, श्री/श्रीमती **BIBEK SHARMA** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **1.SAURABH DUBEY S/O RAMNARAYAN DUBEY 2.SMT. SHEFALI DUBEY W/O SOURABH DUBEY** पिता/पति, श्री/श्रीमती ..... ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख** / वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
**श्रीमती राजेश्वरी पटेल**
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-(8)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)



### कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-3)
शंकर नगर पानी टंकी के नीचे, रायपुर
E-mail ID - rmczone3@gmail.com

पत्र क्रं./29537/न.पा.नि./जोन क्रं.-3/2026
रायपुर दिनांक : 20-03-2026

**इश्तिहार**

नामांतरण प्र.क्र. 29537
वार्ड का नाम- 33- शहीद वीर नारायण सिंह वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि 33 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी-आई.डी.- **RPR332I00215** जो कि निगम अभिलेख में श्री/श्रीमती **DAULAT RAM, MOHAN LAL TEJWANI** पिता/पति, श्री/श्रीमती **S/O GOVINDMAL TEJWANI** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **1. SMT. SHAKUNTALA TEJWANI W/O LATE. DAULAT RAM TEJWANI** पिता/पति, श्री/श्रीमती **2. AMIT TEJWANI S/O LT. DAULAT RAM TEJWANI** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत हक त्याग विलेख**/ वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नही की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करें
**श्रीमती प्रीति सिंह**
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रं.- (3)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)



### कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-3)
शंकर नगर पानी टंकी के नीचे, रायपुर
E-mail ID - rmczone3@gmail.com

पत्र क्रं./29538/न.पा.नि./जोन क्रं.-3/2026
रायपुर दिनांक : 20-03-2026

**इश्तिहार**

नामांतरण प्र.क्र. 29538
वार्ड का नाम- 33- शहीद वीर नारायण सिंह वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि 33 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी-आई.डी.- **RPR332H00207** जो कि निगम अभिलेख में श्री/श्रीमती **BHANU PRASAD SAHU** पिता/पति, श्री/श्रीमती **S/O RAM LAL SAHU** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **SMT. PUNITA SAHU** पिता/पति, श्री/श्रीमती **W/O KANHAIYA LAL SAHU** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नही की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करें
**श्रीमती प्रीति सिंह**
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रं.- (3)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)



### कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-10)
अमलीडीह पानी टंकी, रायपुर
E-mail ID - rmczone10@gmail.com

पत्र क्र./29546/ न.पा.नि./जोन क्र.-10/2026
रायपुर, दिनांक 20-03-2026

**इश्तिहार**

नामांतरण प्र.क्र. 29546
वार्ड का नाम- 56 - ले. अरविंद दीक्षित वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 56 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR651A00287** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **UTSAV JAIN** पिता/पति, श्री/श्रीमती **MOOLCHAND JAIN** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **1. DINESH CHANDRA BABARIA 2.ALOK BABARIA 3. PIYUSH BABARIA** पिता/पति, श्री/श्रीमती **1. BRAJDAS BABARIA 2. RAMESH CHANDRA BABARIA 3. HARSHAD BABARIA** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
**श्री मोनेश्वर शर्मा**
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-(10)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)



### कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-10)
अमलीडीह पानी टंकी, रायपुर
E-mail ID - rmczone10@gmail.com

पत्र क्र./29523/ न.पा.नि./जोन क्र.-10/2026
रायपुर, दिनांक 20-03-2026

**इश्तिहार**

नामांतरण प्र.क्र. 29523
वार्ड का नाम- 50 - पं. विद्याचरण शुक्ल वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 50 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR446K00091** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **HARBHAJAN KAUR** पिता/पति, श्री/श्रीमती **NARENDRA SINGH TUTEJA** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **1. RAMESH KUMAR KHIYALANI 2.SATYDEEP KHIYALANI 3. JAYDEEP KHIYALANI** पिता/पति, श्री/श्रीमती **1. NARAYAN DAS KHIYALANI 2. RAMESH KHIYALANI 3. RAMESH KHIYALANI** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
**श्री मोनेश्वर शर्मा**
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-(10)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)



### कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-10)
अमलीडीह पानी टंकी, रायपुर
E-mail ID - rmczone10@gmail.com

पत्र क्र./29497/ न.पा.नि./जोन क्र.-10/2026
रायपुर, दिनांक 20-03-2026

**इश्तिहार**

नामांतरण प्र.क्र. 29497
वार्ड का नाम- 56 - ले. अरविंद दीक्षित वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 56 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR446D00072** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **DHANANJAY PACHKHEDE** पिता/पति, श्री/श्रीमती **VASANTRAO PACHKHEDE** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **SUSHILA SEN** पिता/पति, श्री/श्रीमती **UTTAM SINGH SEN** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
**श्री मोनेश्वर शर्मा**
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-(10)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)



### कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-10)
अमलीडीह पानी टंकी, रायपुर
E-mail ID - rmczone10@gmail.com

पत्र क्र./29453/ न.पा.नि./जोन क्र.-10/2026
रायपुर, दिनांक 20-03-2026

**इश्तिहार**

नामांतरण प्र.क्र. 29453
वार्ड का नाम- 56 - ले. अरविंद दीक्षित वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 56 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR446C0249K** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **1. SHREYANS BAFNA , 2. RISHABH BAFNA** पिता/पति, श्री/श्रीमती **SURESH CHAND BAFNA** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **AANCHAL SAHU** पिता/पति, श्री/श्रीमती **J.K. SAHU** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
**श्री मोनेश्वर शर्मा**
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-(10)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)



### कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-10)
अमलीडीह पानी टंकी, रायपुर
E-mail ID - rmczone10@gmail.com

पत्र क्र./29316/ न.पा.नि./जोन क्र.-10/2026
रायपुर, दिनांक 20-03-2026

**इश्तिहार**

नामांतरण प्र.क्र. 29316
वार्ड का नाम- 56 - ले. अरविंद दीक्षित वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 56 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR446E00339** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **MUKTA DEWANGAN** पिता/पति, श्री/श्रीमती **DAULAT DEWANGAN** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **ITISHRI PATHAK AND N.B. KASHVI PATHAK** पिता/पति, श्री/श्रीमती **PARAMOD KUMAR PATHAK AND ANKUR PATHAK** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
**श्री मोनेश्वर शर्मा**
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-(10)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)



### कार्यालय सम्पदा अधिकारी, छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल,
सम्पदा प्रबंधन प्रक्षेत्र-03, सेजबहार, रायपुर (छ.ग.), फोन नं.-0771-2991574
email Id- eocghbzone03@gmail.com

***आम-सूचना***

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि **छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल** द्वारा **कालोनी बोरियाकला, जिला रायपुर,** में स्थित **दीनदयाल आवास** योजनांतर्गत निर्मित **फ्लैट क्र. एल.आई.जी - 315 ब्लॉक-20 द्वितीय तल श्रीमती गीता सिंह पति श्री गोकुलेश्वर सिंह निवासी:- म.नं.-281, रानी रोड़ पुरानी बस्ती वार्ड-03, कोरबा टाउन (छ.ग.)** के नाम पर इस कार्यालय के नामांतरण आदेश **क्र. 79 दिनांक 06.06.2025** के माध्यम से नामांतरित है। आबंटी द्वारा फ्लैट का पूर्ण मूल्य जमा कर **दिनांक 05.03.2013** को सेलडीड निष्पादित कराने के उपरांत पत्र क्रमांक **1663 दिनांक 08.04.2013** को आधिपत्य आदेश जारी किया गया है। नामांतरित आंबटी **श्रीमती गीता सिंह पति श्री गोकुलेश्वर सिंह** उक्त फ्लैट को विक्रय अनुमति हेतु आवेदन पत्र, विक्रय इकरारनामा की छायाप्रति एवं आवश्यक दस्तावेज प्रस्तुत किया गया है। प्रस्तुत दस्तावेज के आधार पर उक्त फ्लैट को क्रेता **श्रीमती आस्था कश्यप पति श्री अंकुर कश्यप निवासी: म.नं. -342/5,4, बोदला कर्वधा (छ.ग.)** के पक्ष में विक्रय हेतु अनुमति प्रदान किया जाना है।

अत: किसी भी व्यक्ति, शासकीय/अर्द्धशासकीय संस्था, निकाय, बैंक अथवा वित्तीय संस्था इत्यादि को उक्त भूखण्ड/भवन/फ्लैट के विक्रय करने हेतु अनुमति प्रदान करने में किसी भी प्रकार की कोई आपत्ति हो तो इस कार्यालय में स्वयं उपस्थित होकर लिखित रूप से प्रमाणित दस्तावेज सहित इस आम सूचना प्रकाशन के 15 दिवस के अन्दर आपत्ति प्रस्तुत करें, अन्यथा नियत समयावधि पश्चात् आपत्ति मान्य नहीं की जावेगी।

**सम्पदा अधिकारी,**
**छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल,**
**प्रक्षेत्र-03, सेजबहार रायपुर (छ.ग.)**



### कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.-5)
ईदगाहभाठा,नवीन पानी टंकी परिसर, रायपुर
Email ID - rmczone5@gmail.com

पत्र क्रं./29226/न.पा.नि./जोन क्रं.-5/2026
रायपुर दिनांक : 20-03-2026

**इश्तिहार**

नामांतरण प्र.क्र. 29226
वार्ड का नाम- 39- ठाकुर प्यारे लाल वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि 39 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी-आई.डी.- **RPR569N00152** जो कि निगम अभिलेख में श्री/श्रीमती **SHIV SHANKAR VERMA** पिता/पति, श्री/श्रीमती **.....** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **अमित वर्मा** पिता/पति, श्री/श्रीमती **स्व. शिव शंकर वर्मा** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **शपथ पत्र, टैक्स रसीद, सहमति पत्र, परिचय पत्र व अन्य दस्तावेज** / वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/ संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/ आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नही की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे
**श्री खीर सागर नायक**
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रं. - 5
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)



### कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.-2)
शहीद स्मारक स्कूल भवन, फाफाडीह, रायपुर
Email ID - rmczone2@gmail.com

पत्र क्रं./29605/न.पा.नि./जोन क्रं.-2/2026
रायपुर दिनांक : 20-03-2026

**इश्तिहार**

नामांतरण प्र.क्र. 29605
वार्ड का नाम- 35- हवलदार अब्दुल हमीद वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि 35 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी-आई.डी.- **RPR235J00203** जो कि निगम अभिलेख में श्री/श्रीमती **GURMET SINGH** पिता/पति, श्री/श्रीमती **LATE BHAGWANT SINGH** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **रजिन्दर सिंह छाबड़ा** पिता/पति, श्री/श्रीमती **श्री प्रीतम सिंह छाबड़ा** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नही की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करें
**श्री संतोष पाण्डेय**
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक- (2)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)



### कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.-2)
शहीद स्मारक स्कूल भवन, फाफाडीह, रायपुर
Email ID - rmczone2@gmail.com

पत्र क्रं./29601/न.पा.नि./जोन क्रं.-2/2026
रायपुर दिनांक : 20-03-2026

**इश्तिहार**

नामांतरण प्र.क्र. 29601
वार्ड का नाम- 28- शहीद हेमू कालाणी वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि 28 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी-आई.डी.-**RPR225A00100** जो कि निगम अभिलेख में श्री/श्रीमती **GIRDHARI LAL CHUGANI** पिता/पति, श्री/श्रीमती **NARUMAL** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **श्री मनीष विधानी** पिता/पति, श्री/श्रीमती **श्री इन्द्रलाल विधानी** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नही की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करें
**श्री संतोष पाण्डेय**
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक- (2)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

दैनिक
विश्व परिवार



# इको टूरिज्म कार्यशाला का आयोजन छात्रों को मिला पर्यटन और पर्यावरण संतुलन का नया दृष्टिकोण

**सूरजपुर ब्यूरो (दैनिक विश्व परिवार)** सूरजपुर जिले के शासकीय नवीन महाविद्यालय, प्रेमनगर में राष्ट्रीय उच्च शिक्षा अभियान के अंतर्गत आयोजित पाँच दिवसीय इको टूरिज्म कार्यशाला के चौथे दिन का सत्र छत्तीसगढ़ में पर्यटन विकास के नए आयाम विषय पर केंद्रित रहा। यह सत्र विद्यार्थियों के लिए ज्ञानवर्धक और प्रेरणादायी सिद्ध हुआ, जिसमें पर्यटन और पर्यावरण संरक्षण के बीच संतुलन पर विशेष जोर दिया गया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. एच. एन. दुबे ने की। मुख्य अतिथि के रूप में नगर पंचायत अध्यक्ष श्रीमती सुखमनिया जगते एवं विशिष्ट अतिथि उपाध्यक्ष श्री आलोक साहू उपस्थित रहे। विषय विशेषज्ञों के रूप में डॉ. अखिलेश द्विवेदी और डॉ. अखिलेश पाण्डे एवं विनोद साहू ने अपने विचार साझा किए। कार्यक्रम का संचालन सह संयोजक श्री हीरालाल सिंह ने प्रभावशाली ढंग से किया।

कार्यक्रम की शुरुआत मां सरस्वती एवं छत्तीसगढ़ महतारी के चित्रों के समक्ष दीप प्रज्वलन और सरस्वती वंदना से हुई। इसके बाद छत्तीसगढ़ी राज्य गीत के सामूहिक गायन ने पूरे वातावरण को सांस्कृतिक ऊर्जा से भर दिया। अतिथियों का स्वागत तिलक, बैच और पुष्पगुच्छ के साथ किया गया।

स्वागत उदबोधन में सुश्री रेखा जायसवाल ने पर्यावरण संरक्षण को हमारा कर्तव्य बताते हुए कहा कि पर्यटन का विकास प्रकृति के संतुलन को ध्यान में रखकर ही होना चाहिए। उन्होंने ग्रीन डेवलपमेंट की अवधारणा पर जोर देते हुए जिम्मेदार पर्यटन की आवश्यकता बताई।

प्राचार्य डॉ. दुबे ने अपने उद्बोधन में कहा कि सरगुजा संभाग के चुनिंदा महाविद्यालयों में से इस महाविद्यालय में कार्यशाला का आयोजन होना गर्व की बात है। उन्होंने क्षेत्र में पर्यटन की अपार संभावनाओं की ओर संकेत करते हुए विद्यार्थियों को इसे रोजगार के अवसर के रूप में अपनाने के लिए प्रेरित किया।

श्री आलोक साहू ने अपने उद्बोधन में स्थानीय प्रशासन द्वारा पर्यटन विकास के लिए किए जा रहे प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि पर्यटन क्षेत्र में आधारभूत सुविधाओं का विस्तार किया जा रहा है, जिससे स्थानीय अर्थव्यवस्था को मजबूती मिल रही है।परंतु उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि विकास के नाम पर यदि प्राकृतिक धरोहरों को क्षति पहुँचाई जाती है, तो यह दीर्घकाल में हानिकारक सिद्ध होगा।

मुख्य वक्ता डॉ. अखिलेश द्विवेदी ने अपने व्याख्यान में पर्यटन और पर्यावरण के बीच संबंध को वैज्ञानिक और संवैधानिक दृष्टिकोण से समझाया। उन्होंने कहा कि भारत के संविधान में पर्यावरण संरक्षण को नागरिकों का मूल कर्तव्य माना गया है, इसलिए प्रत्येक नागरिक का दायित्व है कि वह प्राकृतिक संसाधनों की रक्षा करे। उन्होंने बताया कि जैसे-जैसे पर्यटन स्थलों का विकास होता है, वहाँ मानव गतिविधियाँ बढ़ती हैं, जिससे भूमि, जल और जैव विविधता पर दबाव पड़ता है। यदि इस दबाव को नियंत्रित नहीं किया गया, तो पारिस्थितिक संतुलन बिगड़ सकता है। उन्होंने सस्टेनेबल टूरिज्म की अवधारणा को स्पष्ट करते हुए कहा कि हमें ऐसे पर्यटन मॉडल को अपनाना चाहिए, जिसमें संसाधनों का उपयोग सीमित और संतुलित हो, ताकि आने वाली पीढ़ियाँ भी इन प्राकृतिक धरोहरों का लाभ उठा सकें।

विषय विशेषज्ञ डॉ. साहू ने पर्यटन को रोजगार और आर्थिक विकास का महत्वपूर्ण माध्यम बताते हुए विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने कहा कि पर्यटन केवल घूमने-फिरने तक सीमित नहीं है, बल्कि यह एक व्यापक उद्योग है, जिसमें परिवहन, होटल प्रबंधन, टूर गाइड, हस्तशिल्प, स्थानीय उत्पाद और सांस्कृतिक गतिविधियाँ शामिल हैं। उन्होंने बताया कि छत्तीसगढ़ में प्राकृतिक सुंदरता, जलप्रपात, वन क्षेत्र और सांस्कृतिक विविधता जैसे अनेक आकर्षण मौजूद हैं, जिन्हें व्यवस्थित रूप से विकसित कर युवाओं के लिए रोजगार के अवसर उत्पन्न किए जा सकते हैं। उन्होंने विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए कहा कि वे पर्यटन क्षेत्र में कौशल विकसित करें और स्वरोजगार की दिशा में आगे बढ़ें। साथ ही, उन्होंने यह भी कहा कि पर्यटन के विकास में स्थानीय समुदाय की भागीदारी अत्यंत आवश्यक है।

द्वितीय सत्र डॉ. पाण्डे ने अपने व्याख्यान में मानव और प्रकृति के संबंध पर गहन विचार प्रस्तुत किए। उन्होंने कहा कि आधुनिक विकास की दौड़ में मानव ने प्रकृति का अत्यधिक दोहन किया है, जिसके परिणामस्वरूप जलवायु परिवर्तन, जैव विविधता में कमी और प्राकृतिक आपदाओं की संख्या में वृद्धि हो रही है। उन्होंने इको टूरिज्म को एक ऐसा माध्यम बताया, जो विकास और संरक्षण के बीच संतुलन स्थापित कर सकता है। उन्होंने कहा कि हमें प्रकृति से उतना ही लेना चाहिए, जितनी हमारी वास्तविक आवश्यकता हो, न कि लालच के आधार पर। उन्होंने पर्यटकों और स्थानीय लोगों को जागरूक करते हुए कहा कि पर्यटन स्थलों पर अनुशासन, स्वच्छता और संसाधनों के संरक्षण को प्राथमिकता देनी चाहिए। यदि हम प्रकृति के साथ संतुलन बनाए रखेंगे, तो ही सतत विकास संभव होगा।

# सूरजपुर के वृद्धाश्रम में आयुष स्वास्थ्य शिविर का आयोजन बुजुर्गों को मिला उपचार एवं परामर्श

**सूरजपुर ब्यूरो (दैनिक विश्व परिवार)**आयुष विभाग द्वारा स्नेह संबल वृद्धा आश्रम तिलसिवा, सूरजपुर में एक दिवसीय आयुष स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में आश्रम में निवासरत वृद्धजनों का स्वास्थ्य परीक्षण कर उनका उपचार किया गया।

इस दौरान चिकित्सकों द्वारा बुजुर्गों को ऋतुचर्या, दिनचर्या एवं योग के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई। शिविर में वात रोग, बीपी, शुगर, कमजोरी एवं चर्म रोग से पीड़ित मरीजों का परीक्षण कर उन्हें होम्योपैथिक एवं आयुर्वेदिक दवाइयों का वितरण किया गया। शिविर में आयुष विभाग के डॉ. कुलदीप द्विवेदी, डॉ. अनीता पैंकरा, डॉ. दिवाकर सिंह, डॉ. लीला प्रिया करकेटा, फार्मासिस्ट दाऊ राम कमर, उषा किरण, एमपीडब्ल्यू तुलेश्वर एवं चंद्रभान,




लैब टेक्नीशियन भूपेंद्र सिंह सहित समाज कल्याण विभाग से अधीक्षक चंदा रजवाड़े, पायल गुप्ता, सुरेश गुप्ता एवं सोशल वर्कर मोहित रजवाड़े उपस्थित रहे।

# सैमसंग अगले सप्ताह भारत में लॉन्च करेगा गैलेक्सी ए 57 और गैलेक्सी ए 37

**गुरुग्राम।** सैमसंग भारत में अपनी अगली पीढ़ी के गैलेक्सी ए सीरीज़ स्मार्टफोन्स लॉन्च करने के लिए पूरी तरह तैयार है। ये नए स्मार्टफोन्स – गैलेक्सी ए 57 5 जी और गैलेक्सी ए 37 5 जी – अगले सप्ताह की शुरुआत में ही लॉन्च किए जा सकते हैं। इन नए स्मार्टफोन्स की सबसे बड़ी खासियत कम रोशनी में बेहतरीन प्रदर्शन के लिए उन्नत कैमरा क्षमताएं होंगी। इन दोनों स्मार्टफोन्स में नए ए आई फीचर्स मिलने की भी संभावना है, जिन्हें सैमसंग ऑसम इंटेलिजेंस कहता है। गैलेक्सी ए 57 5 जी और गैलेक्सी ए 37 5 जी को धूल और पानी से सुरक्षा के लिए आई पी 68 ड्यूरेबिलिटी के साथ लॉन्च किया जा सकता है। उन्हें लंबे समय तक सिक्योरिटी अपडेट और ओ एस अपग्रेड मिलने की भी संभावना है, जो सैमसंग गैलेक्सी स्मार्टफोन्स की एक प्रमुख पहचान है। गैलेक्सी ए 57 5 जी और गैलेक्सी ए 37 5 जी सैमसंग नॉक्स वॉल्ट के साथ आएंगे, जो ए आई के इस दौर में बेहतर डेटा सुरक्षा के लिए एक हार्डवेयर-आधारित तकनीक है। बेहतर परफॉर्मेंस के लिए गैलेक्सी ए 57 5 जी और गैलेक्सी ए 37 5 जी में अपग्रेडेड प्रोसेसर, वाई फाई 6 ई और ब्लूटूथ 6 मिलने की संभावना है। ये नए डिवाइस किफायती कीमतों पर प्रीमियम फीचर्स लाने की सैमसंग की ग्राहकों के अनुकूल रणनीति को प्रदर्शित कर सकते हैं। गैलेक्सी ए सीरीज़ भारत में सैमसंग की सबसे लोकप्रिय स्मार्टफोन सीरीज़ में से एक है, जिसकी देश में अब तक की कुल बिक्री 10 करोड़ (100 मिलियन) यूनिट्स के करीब है।

# होंडा ने भारत में दोपहिया वाहन उत्पादन क्षमता बढ़ाई, टपूकड़ा प्लांट में नई लाइन

**नईदिल्ली।** होंडा मोटरसाइकिल एंड स्कूटर इंडिया प्रा. लि. ( ।स्र्स्ड्ढ), जो भारत में होंडा की मोटरसाइकिल उत्पादन और बिक्री सहायक कंपनी है, देश में दोपहिया वाहनों की बढ़ती और विविध होती मांग को पूरा करने के लिए अपनी उत्पादन क्षमता के विस्तार को आगे बढ़ा रही है। एचएमएसआई अपने राजस्थान के अलवर ज़िले स्थित टपूकड़ा प्लांट में तीसरी नई प्रोडक्शन लाइन स्थापित कर अपनी मैन्युफैक्चरिंग क्षमता बढ़ा रही है। यह उपलब्धि 'द पावर ऑफ ड्रीम्स' के प्रति एचएमएसआई की अटूट प्रतिबद्धता को दर्शाती है, जिसका उद्देश्य लाखों भारतीयों को अपने सपनों और लक्ष्यों को आत्मविश्वास के साथ पूरा करने के लिए सशक्त बनाना है। टपूकड़ा में नई प्रोडक्शन लाइन को 2028 में शुरू करने की योजना है, जिसकी वार्षिक क्षमता 6,70,000 यूनिट होगी। इस विस्तार के साथ, दूसरे प्लांट की कुल क्षमता बढ़कर 20.1 लाख यूनिट प्रति वर्ष हो जाएगी। यह पहल 2,000 से अधिक लोगों के लिए रोजगार के अवसर भी पैदा करेगी, जिससे क्षेत्र के विकास को और गति मिलेगी। क्षमता विस्तार पर टिप्पणी करते हुए, श्री त्सुत्सुमु ओटानी, प्रेसिडेंट एवं सीईओ, होंडा मोटरसाइकिल एंड स्कूटर इंडिया ने कहा, भारत मोबिलिटी परिवर्तन के एक नए दौर में प्रवेश कर रहा है, और एचएमएसआई जिम्मेदारी और उद्देश्य के साथ इस यात्रा का नेतृत्व करने के लिए प्रतिबद्ध है। टपूकड़ा में हमारे प्रोडक्शन इकोसिस्टम को मजबूत करना हमारी सप्लाई चेन में अधिक मजबूती, लचीलापन और भविष्य की तैयारी सुनिश्चित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। यह विस्तार हमें बाजार की मांग के प्रति अधिक प्रभावी ढंग से प्रतिक्रिया देने में सक्षम बनाएगा और लाखों ग्राहकों की आकांक्षाओं को समर्थन देने वाला मूल्य प्रदान करना जारी रखने में मदद करेगा।

# जिला जेल का हुआ सघन निरीक्षण, बंदियों को मिली नि:शुल्क विधिक सहायता की जानकारी

**सूरजपुर ब्यूरो (दैनिक विश्व परिवार)** प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की अध्यक्ष श्रीमती विनीता वार्नर की अध्यक्षता में डिस्ट्रिक्ट विजिटर्स बोर्ड ने आज सूरजपुर जिला जेल का सघन निरीक्षण किया। निरीक्षण का उद्देश्य बंदियों की वर्तमान स्थिति, उपलब्ध सुविधाओं की गुणवत्ता एवं विधिक सहायता व्यवस्थाओं की समीक्षा करना था।

निरीक्षण दल ने बैरक, रसोईघर, स्वास्थ्य केंद्र एवं सामान्य उपयोग के क्षेत्रों का बारीकी से मुआयना किया तथा स्वच्छता, भोजन की गुणवत्ता, चिकित्सा सुविधाओं, शिक्षा कार्यक्रमों एवं लीगल एड क्लीनिक की कार्यप्रणाली का मूल्यांकन किया। अधिकारियों ने बंदियों से सीधे बातचीत कर उनकी समस्याएं सुनीं।

प्रधान जिला न्यायाधीश ने जेल अधीक्षक को निर्देशित किया कि बंदियों को स्वच्छ वातावरण, पौष्टिक भोजन, नियमित चिकित्सा जांच एवं शिक्षा के अवसर बिना किसी व्यवधान के सुनिश्चित किए जाएं।



जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश श्री आनंद प्रकाश वारियाल ने बंदियों को उनके अधिकारों की जानकारी देते हुए बताया कि जेल लीगल एड क्लीनिक में उपस्थित अधिवक्ता एवं पीएलवी से बंदी बिना किसी हिचकिचाहट के अपनी कानूनी समस्याएं साझा कर सकते हैं। सचिव सुश्री पायल टोपनो ने बंदियों की व्यक्तिगत समस्याएं नोट कर मुफ्त अधिवक्ता नियुक्ति एवं लीगल एड डिफेंस काउंसिल की सेवाओं की जानकारी दी।

इस निरीक्षण में अपर कलेक्टर श्री जगन्नाथ वर्मा, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री रितेश चौधरी, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी श्री कपिल देव पैकरा, जेल अधीक्षक श्री विक्रम गुप्ता सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

# प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णु देव साई आज 21 मार्च को माँ कुदरगढ़ी के दरबार में टेकेंगे माथा

**चैत्र नवरात्र की पावन बेला में मुख्यमंत्री माँ कुदरगढ़ी का दर्शन-पूजन के साथ ***

**185 करोड़ के विकास कार्यों का देंगे सौगात**

**गोपाल सिंह विद्रोही**





**सूरजपुर ब्यूरो (दैनिक विश्व परिवार)**चैत्र नवरात्र की पावन बेला में प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय आज 21 मार्च को जिले के विकासखण्ड ओड़गी अंतर्गत ग्राम पंचायत कुदरगढ़ मे शिरकत करेंगे। इस दौरान उनके द्वारा 185 करोड़ और 10 लाख के विकास कार्यों की सौगात देंगे।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय अपने इस प्रवास के दौरान अंचल के सुप्रसिद्ध एवं प्राचीन माँ कुदरगढ़ी देवी मंदिर में विधिवत दर्शन-पूजन-अर्चन करेंगे तथा माँ कुदरगढ़ी के श्रीचरणों में टेकेंगे माथा

यहां यह बताना आवश्यक है कि लगभग 2000 फीट की ऊंची पहाड़ी पर विराजमान माँ कुदरगढ़ी का यह पावन धाम सदियों से सरगुजा संभाग की आस्था का केंद्र रहा है और प्रतिवर्ष चौत्र नवरात्र के अवसर पर यहां सुदूर अंचलों से लाखों श्रद्धालु माँ के दर्शन हेतु आते हैं। इस शुभ अवसर पर मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय जिलेवासियों को 52 कार्यों का लोकार्पण और 24 कार्यों का भूमिपूजन कर 185 करोड़ 10 लाख के लागत के विकास कार्यों की बड़ी सौगात भी देंगे। इस दौरान लोक निर्माण विभाग, पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग, नगरीय निकाय , लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी, ग्रामीण यांत्रिकी सेवा , जल संसाधन संभाग सूरजपुर एवं महात्मा गांधी उद्यानिकी एवं वानिकी वि. वि. दुर्ग अंतर्गत सड़क, भवन, पेयजल, शिक्षा, जलाशय एवं नगरीय अधोसंरचना निर्माण कार्यों का लोकार्पण एवं भूमिपूजन किया जायेगा। कार्यक्रम को लेकर सूरजपुर कलेक्टर एस एस जयवर्धन अपनी पूरी टीम के साथ युद्ध स्तर पर तैयारियां में जुटे है। मंच एवं साज-सज्जा का कार्य अपने अंतिम चरणों पर है।

## संक्षिप्त समाचार

### सरगुजा ओलंपिक के लिए सूरजपुर के 410 खिलाड़ी होंगे शामिल, जिला पंचायत सीईओ ने बस को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना




**सूरजपुर ब्यूरो (दैनिक विश्व परिवार)**जिला प्रशासन एवं खेल एवं युवा कल्याण विभाग सूरजपुर द्वारा संभाग स्तरीय सरगुजा ओलंपिक प्रतियोगिता में भाग लेने जा रहे खिलाड़ियों को आज रवाना किया गया। इस अवसर पर जिला पंचायत सीईओ विजेंद्र सिंह पाटले ने खिलाड़ियों से भरी बस को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। उल्लेखनीय है कि यह प्रतियोगिता 21 से 23 मार्च 2026 तक सरगुजा में आयोजित की जाएगी, जिसमें जिला स्तरीय प्रतियोगिता में विजेता खिलाड़ी संभाग स्तर पर सूरजपुर जिले का प्रतिनिधित्व करेंगे। इस प्रतियोगिता में जिले से कुल 410 खिलाड़ी 12 विभिन्न खेल विधाओं में भाग लेंगे। जिला प्रशासन ने सभी प्रतिभागी खिलाड़ियों को उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्वल भविष्य की कामना की है।

### क्रोमा की 'फेस्टिव मेगा डील्स' में कीमतों में 70% तक की भारी कटौती

**रायपुर।** भारत के विश्वसनीय ओम्नी-चैनल इलेक्ट्रॉनिक्स रिटेलर और टाटा समूह का एक ब्रांड क्रोमा ने उगादी और गुढीपाडवा की खरीदारी के लिए तैयार ग्राहकों के लिए, टाटा समूह के भरोसेमंद इलेक्ट्रॉनिक्स रिटेलर क्रोमा ने शानदार 'फेस्टिव ऑफर्स' की घोषणा की है। इस सेल का मुख्य आकर्षण हैं लैपटॉप्स, गेमिंग, एआई और डेली कंप्यूटिंग डिवाइसेज पर भारी बचत का मौका मिल रहा है। इसके साथ ही, चुनिंदा एयर कंडीशनर, टेलीविजन, रेफ्रिजरेटर और अन्य होम अप्लायंसेज पर भी आकर्षक ऑफर्स उपलब्ध हैं।

उगादी और गुढीपाडवा को नई शुरूआत का प्रतीक माना जाता है, ऐसे पर्व पर क्रोमा के ये ऑफर्स ग्राहकों के लिए नए और बेहतर फीचर्स वाले डिवाइसेज में अपग्रेड करने का एक शानदार मौका हैं। बैंक कैशबैक, एक्सचेंज बोनस, स्टूडेंट्स के लिए खास डिस्काउंट और आसान EMI जैसे कई बेहतरीन फायदों का लाभ ग्राहक उठा सकते हैं। यह इस सीज़न की सबसे शानदार इलेक्ट्रॉनिक्स सेल है, जो 31 मार्च तक सभी क्रोमा स्टोर्स पर चलेगी। इस फेस्टिव सीज़न में लैपटॉप डील्स की एक शानदार रेंज पेश की गई है, जिसमें हाई-परफॉर्मेंस गेमर्स से लेकर छात्रों और प्रोफेशनल्स तक, हर किसी के लिए यहां बेहतरीन विकल्प हैं। 'लैपटॉप बोनान्ज़ा' में आप आपने अपग्रेड करने के अनुभव को और भी फायदेमंद बना सकते हैं, क्योंकि यहां HP, Lenovo और ASUS जैसे ब्रांड्स के चुनिंदा NVIDIA RTX 50 सीरीज़ गेमिंग लैपटॉप पर 25% तक का एक्सचेंज बोनस मिल रहा है। इसके साथ ही, आप सबसे नए AI-पावर्ड लैपटॉप सहित चुनिंदा विंडोज लैपटॉप पर 20% तक के एक्सचेंज बोनस का लाभ भी उठा सकते हैं।

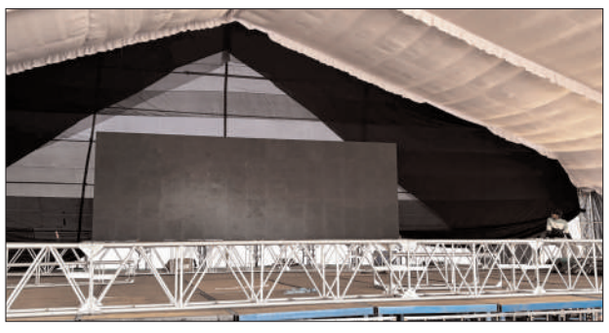

### रात में दुकान और ट्रैक्टर दोनों साफ, शातिर चोर चढ़ा पुलिस के हत्थे

**राजनांदगांव।** गांव में एक ही रात में दुकान और ट्रैक्टर को निशाना बनाकर चोरी करने वाले शातिर चोर को आखिरकार पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। डोंगरगांव पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए मामले का खुलासा कर आरोपी को पकड़ लिया और चोरी गया सामान भी बरामद कर लिया।

मामला ग्राम रूदगांव साकरीपार का है, जहां 29 जनवरी 2026 की रात अज्ञात चोर ने मौसमी निषाद की दुकान से करीब 25 हजार रुपये नगद पार कर दिए। यही नहीं, उसी रात गांव के जीतेश्वर साहू के ट्रैक्टर से एक्साइड कंपनी की बैटरी और हाइड्रोलिक पट्टी भी चोरी कर ली गई, जिससे गांव में दहशत का माहौल बन गया था।

शिकायत दर्ज होने के बाद थाना डोंगरगांव पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की। पुलिस अधीक्षक अंकिता शर्मा के निर्देश और वरिष्ठ अधिकारियों के मार्गदर्शन में टीम ने घटनास्थल का विश्लेषण कर संदिग्धों पर नजर रखी। जांच के दौरान पुलिस को अहम सुराग मिले, जिसके आधार पर संदेही रेवाराम निषाद को हिरासत में लिया गया। पूछताछ में आरोपी टूट गया और उसने चोरी की पूरी वारदात कबूल कर ली। आरोपी ने बताया कि उसने ही दुकान और ट्रैक्टर को निशाना बनाकर चोरी की थी।

दैनिक
# विश्व परिवार

विचार-पक्ष

रायपुर, शनिवार 21 मार्च 2026

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com



## संपादकीय

## वंशवाद कहीं विरोध भाव नजर नहीं आता

भारत भर में व्यापक रूप से फैले वंशवाद को लेकर आज कहीं विरोध भाव नजर नहीं आता। तो क्या राजनीति के कुछ परिवारों में सिमटने और लोकतंत्र के कुलीनतंत्र में तब्दील होने की विद्रूपता को सबने स्वीकार कर लिया है? अब तक राजनीति से दूर और कुछ समय पहले तक गुमनाम-सी जिंदगी जीने वाले निशांत कुमार जनता दल (यू) में शामिल हुए, तो पार्टी नेताओं एवं कार्यकर्ताओं ने करतल ध्वनि की। खबर है कि नीतीश कुमार के राज्यसभा जाने के बाद बनने वाली नई सरकार में निशांत उप-मुख्यमंत्री बनेंगे। वैसे, उनकी पार्टी के नेता तो उन्हें सीधे मुख्यमंत्री बनाने की मांग कर रहे हैं। निशांत ने कहा- 'पार्टी में शामिल होना मेरे पिता का निजी फैसला था, जिसे मैंने स्वीकार किया है। मैं अपने पिता के निर्देशन में काम करूंगा।' यानी यह पूरी तरह पारिवारिक घटनाक्रम है। अभी चार महीने पहले विधानसभा चुनाव में अपने गठबंधन की भारी जीत के बाद जब निशांत के पिता नीतीश कुमार फिर मुख्यमंत्री बने, तो उन्होंने एनडीए के घटक दल राष्ट्रीय लोक मोर्चा के नेता उपेंद्र कुशवाहा के तब तक अराजनीतिक बेटे दीपक प्रकाश को सीधे कैबिनेट मंत्री बना दिया। उस पर भी किसी को एतराज नहीं हुआ! देश में ऐसी घटनाएं आज इतनी आम हो गई हैं कि इनको लेकर बुद्धिजीवियों से लेकर मीडिया, और सियासी हलकों से लेकर आम जन तक में कोई नाराजगी नहीं देखी जाती। बल्कि इसे लोकतंत्र की सामान्य प्रक्रिया मान लिया गया है। बात इतनी आम और सर्व-स्वीकार्य हो गई है कि नीतीश कुमार की कथित खराब सेहत की चर्चा करते हुए एक बार आरजेडी नेता राबड़ी देवी ने मुख्यमंत्री से अपना पद निशांत को सौंप देने की मांग कर डाली थी! चूंकि राबड़ी देवी का परिवार खुद लोकतंत्र को ऐसी विद्रूपता देने में बढ़-चढ़ कर शामिल है, इसलिए उनके ऐसा करने पर कोई हैरत नहीं हुई। लेकिन ये रुझान भारतीय लोकतंत्र में लगातार गिरावट का सूचक है। नेहरू- गांधी परिवार का नेतृत्व जब कांग्रेस में सहज स्वीकार्य होता गया, तब कम-से-कम सियासत के बाकी हिस्सों से उसके खिलाफ आवाज उठती थी। वंशवाद बताकर उसकी आलोचना की जाती थी। लेकिन भारत भर में व्यापक रूप से फैले ऐसे वंशवाद को लेकर आज कहीं विरोध भाव नजर नहीं आता। तो क्या राजनीति के कुछ परिवारों में सिमटने और लोकतंत्र के कुलीनतंत्र में तब्दील होने की विद्रूपता को सबने स्वीकार कर लिया है?

## हरीश को मिला गरिमा से मरने का अधिकार

**राकेश शर्मा**

पैसिव युथनेसिया जहां गंभीर बीमारी से ग्रसित व्यक्ति को मरने के लिए छोड़ देना है, वहीं एक्टिव युथनेसिया किसी भी व्यक्ति की इच्छा से उसे जहर का इंजेक्शन देकर मौत के आगोश में भेजना है। इसके अलावा अमरीका के कुछ राज्यों और कुछ अन्य देशों में चिकित्सक की सहायता से आत्महत्या को मंजूरी दी गई है, जिसमें एक चिकित्सक अपने मरीज के लिए आत्महत्या के लिए सभी आवश्यक दवाइयों को उपलब्ध करवाता है भारत के सर्वोच्च न्यायालय द्वारा इच्छामृत्यु की मांग से संबंधित याचिका पर बुधवार को जो ऐतिहासिक निर्णय सुनाया गया, उसके बाद से इस फैसले की चर्चा हर तरफ सुनाई दे रही है। सर्वोच्च न्यायालय द्वारा गाजियाबाद के 32 वर्षीय हरीश राणा के माता-पिता द्वारा दायर अपने पुत्र की इच्छामृत्यु की याचिका को न्यायालय ने स्वीकार कर लिया। हरीश राणा का नाम अब इतिहास में एक ऐसे शख्स के रूप में जाना जाएगा जिसको भारत में पहली बार गरिमा से मरने का अधिकार अर्थात इच्छामृत्यु मिली है। हरीश राणा पिछले तेरह वर्षों से जिंदगी से जंग लड़ रहे हैं और जीवन रक्षक प्रणाली के सहारे हैं, लेकिन अब न्यायालय के आदेशों के बाद उन्हें जीवन रक्षक प्रणाली से अलग कर दिया जाएगा ताकि वे प्राकृतिक रूप से अपने प्राण त्याग सकें। मौत हमेशा दुखदाई होती है, लेकिन जब जीवन में कष्ट मृत्यु से भी अधिक पीड़ादायक हो जाएं तो इनसान मृत्यु को चुनने में गुरेज नहीं करता। हालांकि हरीश ने इच्छामृत्यु को नहीं चुना क्योंकि वो इस स्थिति में ही नहीं है, लेकिन हमारे देश का इच्छामृत्यु से संबंधित कानून इस बात की इजाजत देता है कि जब कोई व्यक्ति स्वयं इस प्रकार की मृत्यु के लिए आवेदन नहीं कर सकता हो तो उसके करीबी रिश्तेदार इसके लिए आवेदन कर सकते हैं। इतिहास के पन्नों को अगर पलटा जाए तो इच्छा मृत्यु की मांग के लिए अरुणा शानबाग का नाम एकदम से दिमाग में आ जाता है । सन् 1973 में मुंबई के एक अस्पताल में नर्स के रूप में काम करने वाली अरुणा शानबाग के साथ अस्पताल के अंदर वहीं पर कार्यरत एक कर्मचारी द्वारा बलात्कार के बाद हत्या का प्रयास किया गया था जिसकी वजह से अरुणा कोमा में चली गई थीं। सालों तक कोमा में रहने वाली अरुणा शानबाग के केस में सुप्रीम कोर्ट द्वारा 'पैसिव युथनेसिया' को कुछ शर्तों के साथ देश में मान्यता दे दी गई थी। इस घटना के बाद उसके परिवार और रिश्तेदारों ने भी कुछ समय के बाद अरुणा से अपना नाता तोड़ लिया था। घटना के बाद से लेकर 2015 में अरुणा की मौत तक उसका इलाज उसी अस्पताल में किया गया और वहां पर काम करने वाली अन्य नर्सों द्वारा अरुणा की देखभाल भी की गई। इसी बीच सन् 2010 में एक सामाजिक कार्यकर्ता पिंकी वीरानी द्वारा अरुणा की हालत को देखते हुए सुप्रीम कोर्ट में अरुणा को इच्छामृत्यु देने के लिए दलील पेश की गई जिस पर 2011 में सुप्रीम कोर्ट द्वारा ये निर्णय दिया गया कि किसी ऐसे व्यक्ति को जोकि मरणासन्न अवस्था में है, उसका लाइफ सपोर्ट सिस्टम उसकी मर्जी से या उसके परिवार, रिश्तेदारों या नजदीकी दोस्तों की मर्जी से हटाया जा सकता है जिसे 'पैसिव युथनेसिया' का नाम दिया गया। हालांकि अरुणा शानबाग के दर्द को ये निर्णय खत्म नहीं कर सका क्योंकि अरुणा का न तो परिवार था और न ही रिश्तेदार, और कोर्ट ने पिंकी वीरानी को अरुणा का दोस्त मानने से इंकार कर दिया और ये कहा कि जो नर्सें अरुणा का ध्यान रखती हैं, ये निर्णय उनको ही लेना है कि अरुणा को लाइफसपोर्ट सिस्टम से हटा दिया जाए या नहीं। उन नर्सों ने अरुणा का लाइफ सपोर्ट सिस्टम हटाने से मना कर दिया और आखिरकार 2015 में अरुणा शानबाग की 42 वर्ष तक कोमा में रहने के बाद मौत हो गई। सन् 2018 में एक अन्य पीआईएल की सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट द्वारा ये कहा गया कि संविधान की धारा 21 के द्वारा दिए गए जीने के अधिकार में गरिमा से मरने का अधिकार भी शामिल है। इस फैसले में कोर्ट द्वारा अरुणा शानबाग केस में सुनाए गए पैसिव युथनेसिया के फैसले को और अधिक विस्तारित करके पैसिव युथनेसिया के साथ-साथ लिविंग विल को भी देश में मंजूरी दे दी गई। अमूमन पैसिव युथनेसिया देते समय पीड़ित व्यक्ति की मंजूरी लेना असंभव कार्य होता है, इसलिए लिविंग विल के द्वारा इस समस्या का हल ढूंढने की कोशिश की गई। लिविंग विल हर व्यक्ति को इस बात का निर्णय लेने का अधिकार देती है कि वो व्यक्ति किसी भी बीमारी में जकड़े जाने से पहले ही अपने पूरे होशो हवास में इस बात का निर्णय कर सकता है कि किसी भी बड़ी बीमारी से जूझते हुए या मरणासन्न अवस्था में वो कितने दिनों तक लाइफ सपोर्ट सिस्टम पर रहना चाहेगा। इसके लिए जुडिशियल मेजिस्ट्रेट के सामने घोषणा के अलावा कुछ अन्य कानूनी कार्यवाहियां भी पूरी करनी पड़ती हैं। पैसिव युथनेसिया और लिविंग विल पर निर्णय देने के साथ ही सुप्रीम कोर्ट द्वारा सरकार को इस संबंध में संसद में बिल लाकर देश में कानून लागू करने की बात भी कही गई, लेकिन सरकार द्वारा इस संबंध में कोई भी नया बिल ड्राफ्ट नहीं किया गया, बल्कि सुप्रीम कोर्ट द्वारा दिए गए निर्देशों को ही देश भर में एक कानून के रूप में लागू कर दिया गया। भारत की तरह कुछ अन्य देशों में भी इस तरह के प्रावधान हैं। हरीश राणा का नाम अब इतिहास में एक ऐसे शख्स के रूप में जाना जाएगा जिसको भारत में पहली बार गरिमा से मरने का अधिकार अर्थात इच्छामृत्यु मिली है। हरीश राणा पिछले तेरह वर्षों से जिंदगी से जंग लड़ रहे हैं और जीवन रक्षक प्रणाली के सहारे हैं, लेकिन अब न्यायालय के आदेशों के बाद उन्हें जीवन रक्षक प्रणाली से अलग कर दिया जाएगा ताकि वे प्राकृतिक रूप से अपने प्राण त्याग सकें। मौत हमेशा दुखदाई होती है, लेकिन जब जीवन में कष्ट मृत्यु से भी अधिक पीड़ादायक हो जाएं तो इनसान मृत्यु को चुनने में गुरेज नहीं करता। हालांकि हरीश ने इच्छामृत्यु को नहीं चुना क्योंकि वो इस स्थिति में ही नहीं है, लेकिन हमारे देश का इच्छामृत्यु से संबंधित कानून इस बात की इजाजत देता है कि जब कोई व्यक्ति स्वयं इस प्रकार की मृत्यु के लिए आवेदन नहीं कर सकता हो तो उसके करीबी रिश्तेदार इसके लिए आवेदन कर सकते हैं। इतिहास के पन्नों को अगर पलटा जाए तो इच्छा मृत्यु की मांग के लिए अरुणा शानबाग का नाम एकदम से दिमाग में आ जाता है । सन् 1973 में मुंबई के एक अस्पताल में नर्स के रूप में काम करने वाली अरुणा शानबाग के साथ अस्पताल के अंदर वहीं पर कार्यरत एक कर्मचारी द्वारा बलात्कार के बाद हत्या का प्रयास किया गया था जिसकी वजह से अरुणा कोमा में चली गई थीं। कनाडा, नीदरलैंड और लक्जमबर्ग जैसे देश इच्छा मृत्यु के मामलों में काफी आगे बढ़ चुके हैं। इन देशों में एक्टिव युथनेसिया को वहां की सरकारों द्वारा मान्यता दी जा चुकी है। पैसिव युथनेसिया जहां गंभीर बीमारी से ग्रसित व्यक्ति को मरने के लिए छोड़ देना है, वहीं एक्टिव युथनेसिया किसी भी व्यक्ति की इच्छा से उसे जहर का इंजेक्शन देकर मौत के आगोश में भेजना है। इसके अलावा अमरीका के कुछ राज्यों और कुछ अन्य देशों में चिकित्सक की सहायता से आत्महत्या को मंजूरी दी गई है, जिसमें एक चिकित्सक अपने मरीज के लिए आत्महत्या के लिए सभी आवश्यक दवाइयों को उपलब्ध करवाता है और बाकी कार्य व्यक्ति को खुद करना होता है। इच्छा मृत्यु का तरीका चाहे कुछ भी हो, लेकिन अंजाम सभी का एक ही होता है, और वो है मौत।

## आलेख

## विपक्ष कब करेगा आत्म मंथन? बिहार रास चुनाव में विपक्ष की करारी हार

**सौरभ वार्ष्णेय**

बिहार की राजनीति में हाल ही में हुए राज्सभा चुनाव ने कई राजनीतिक संकेत दिए हैं। इस चुनाव में राष्ट्रीय जनता दल के नेता राजद के लिए परिणाम उम्मीद के अनुरूप नहीं रहे। सीटों के गणित और राजनीतिक समीकरणों के कारण जिस तरह का परिणाम सामने आया, उसने विपक्षी राजनीति में असहजता और भीतर की पीड़ा को उजागर कर दिया। जिसे लेकर तेजस्वी यादव का दर्द छलक पड़ा? क्या विधायक इनके विश्वास पर खरे नहीं उतरे या भाजपा की रणनीति समझ नहीं पाये। इस सवाल उठ रहे है कि विपक्ष अब आत्ममंथन कब करेगा? बिहार जैसे राज्यों में तो स्थिति इतनी उलझी कि विपक्षी खेमे के कुछ विधायक मतदान के समय अनुपस्थित रहे और पूरा समीकरण बदल गया। यह घटना केवल चुनावी हार नहीं है, बल्कि विपक्ष के भीतर मौजूद कमजोरियों का संकेत भी है। राज्यसभा जैसे चुनावों में गणित स्पष्ट होता है—यहां जीत का आधार संख्या और अनुशासन होता है। लेकिन जब अपने ही विधायक अनुपस्थित हों या क्रॉस-वोटिंग की आशंका पैदा हो जाए, तो यह संगठनात्मक ढीलापन और नेतृत्व की कमजोरी को उजागर करता है। ऐसे में 5 राज्यों के चुनावों मे इसका असर पड़ेगा। इसलिए अगर विपक्ष अब भी एकजुट नहीं हुआ तो एकजुट का मतलब अपने ही विधायकों का विश्वास जीतना।राज्यसभा चुनाव सामान्यतः विधानसभा की संख्या बल पर निर्भर होते हैं, लेकिन इस बार बिहार में क्रॉस-वोटिंग और राजनीतिक रणनीतियों ने परिणाम को अलग दिशा दे दी। सत्ता पक्ष की ओर से नीतीश कुमार के नेतृत्व वाले गठबंधन ने अपनी राजनीतिक पकड़ मजबूत दिखाई, जबकि विपक्षी खेमे में अपेक्षित एकजुटता नजर नहीं आई। यही कारण है कि परिणाम आने के बाद तेजस्वी यादव के समर्थकों में निराशा और असंतोष साफ दिखाई दिया। ज्ञात रहे कि तेजस्वी यादव पिछले कुछ वर्षों से खुद को बिहार में विपक्ष की सबसे मजबूत आवाज के रूप में स्थापित करने की कोशिश कर रहे हैं। वे युवाओं, रोजगार और सामाजिक न्याय जैसे मुद्दों को लगातार उठाते रहे हैं। लेकिन राज्यसभा चुनाव के इस परिणाम ने यह संकेत दिया है कि केवल जनसभाओं और राजनीतिक भाषणों से सत्ता के समीकरण नहीं बदलते; इसके लिए ठोस राजनीतिक प्रबंधन और सहयोगियों की मजबूत प्रतिबद्धता भी जरूरी होती है। इस चुनाव ने एक और सच्चाई उजागर की—बिहार की राजनीति में अभी भी संख्या बल और रणनीति का महत्व सबसे अधिक है। यदि विपक्ष अपने भीतर की कमजोरियों को दूर नहीं करता, तो सत्ताधारी गठबंधन को चुनौती देना आसान नहीं होगा। तेजस्वी यादव के लिए यह हार केवल एक सीट का नुकसान नहीं, बल्कि एक राजनीतिक संदेश भी है। यह संदेश है कि विपक्ष को संगठित होने, विधायकों के बीच भरोसा मजबूत करने और राजनीतिक रणनीति को अधिक सटीक बनाने की जरूरत है। राज्यसभा चुनावों में लगभग 37 सीटों पर मुकाबला हुआ, जिनमें कई उम्मीदवार निर्विरोध भी चुने गए, जबकि कुछ राज्यों में सीधी टक्कर देखने को मिली।इन चुनावों ने यह साफ कर दिया कि सत्ता पक्ष जहां रणनीति और एकजुटता के साथ आगे बढ़ रहा है, वहीं विपक्ष कई जगहों पर बिखरा हुआ नजर आता है। लोकतंत्र में हार-जीत का सिलसिला चलता रहता है। लेकिन यह हार विपक्ष के लिए आत्ममंथन का अवसर भी बन सकती है। यदि तेजस्वी यादव इस अनुभव से सीख लेकर अपनी राजनीतिक रणनीति को मजबूत करते हैं, तो आने वाले समय में यह पराजय ही उनकी नई राजनीतिक ताकत का आधार बन सकती है। राज्यसभा चुनाव का परिणाम केवल सीटों की हार-जीत नहीं है; यह विपक्ष के सामने खड़ा आईना भी है। सवाल यही है—क्या विपक्ष इस आईने में खुद को देखने का साहस करेगा? यदि आत्ममंथन समय रहते नहीं हुआ, तो आने वाले चुनावों में भी यही कहानी दोहराई जा सकती है। लेखक वरिष्ठ पत्रकार है, समाचार पत्र व पत्रिकाओं में समसमायिक विषयों पर चिंतक, राजनीतिक विचारक है।

## अमेरिका ने अंतरराष्ट्रीय मर्यादाओं की उड़ाई धज्जियां

**सत्येन्द्र रंजन**

डॉनल्ड ट्रंप प्रशासन की विदेश एवं युद्ध नीतियों का क्या मकसद है, अपने इस भाषण में मार्को रुबियो ने इसे दो-टूक या बेहिचक लहजे में दुनिया के सामने रखा।.. यह वह मार्ग है, जिस पर हम आपसे (यूरोप से) हमारे साथ जुड़ने का अनुरोध करते हैं। यह वह मार्ग है, जिस पर हम पहले भी साथ चले हैं और आशा करते हैं कि फिर से एक साथ चलेंगे। ईरान ना तो परमाणु बम बनाने की ओर बढ़ रहा था, और ना ही उससे अमेरिका को कोई तात्कालिक खतरा था, ये बातें खुद ट्रंप प्रशासन ने आधिकारिक रूप से कही हैं। पहले कांग्रेस (संसद) की ब्रीफिंग में इसे कहा गया। फिर विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने प्रेस कांफ्रेंस में कहा कि अगर अमेरिका हमला नहीं करता, तो ईरान पर होने वाले इजराइली हमले के जवाब में ईरान अमेरिकी ठिकानों को भी निशाना बनाता। इसलिए एहतियातन अमेरिका उस हमले में शामिल हुआ, जिसमें ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्लाह अली खामेनई मारे गए। यानी हमला इजराइल को करना था, जिसे ढाल प्रदान करने के लिए अमेरिका ने एक बार फिर से अंतरराष्ट्रीय मर्यादाओं की धज्जियां उड़ाईं। दरअसल, इन दिनों अमेरिकी शासकों का जो व्यवहार है, उसमें आक्रोश, आक्रामकता, बेशर्मी और बेपर्दगी की ऐसी मिसालें भरपूर देखी जा सकती हैं। सही-गलत का ख्याल अक्सर आक्रोश की अवस्था में भूलने लगता है। आक्रामकता की स्थिति में तो व्यक्ति को इसका अहसास भी नहीं रहता कि परदे और नग्नता की हद को वह कब पार कर गया! इन दिनों डॉनल्ड ट्रंप और उनके सहकर्मी अक्सर ये हद पार करते नजर आए हैं। इस क्रम में उन्होंने खुद उन नियमों और उसूलों को दरकिनार कर दिया है, जिनका बखान कर अमेरिका और अन्य पश्चिमी देशों ने लंबे समय तक दुनिया को भरमाये रखने के लिए किया था। लोकतंत्र, मानव अधिकार, नियम आधारित विश्व व्यवस्था आदि ऐसी ही बातें थीं, जिनके जरिए पश्चिम ने अपना सॉफ्ट पॉवर बनाया। पिछले महीने उसी पश्चिम का हिस्सा- कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने दावोस में यह बेलाग मंजूर किया था कि नियम आधारित दुनिया की वो बातें कहानी भर थीं। कार्नी ने कहा- हम जानते थे कि नियम आधारित अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था की कहानी फर्जी थी। मजबूत देश अपनी सुविधा-असुविधा के मुताबिक उन नियमों से अपने को मुक्त कर लेते थे। व्यापार संबंधी नियम असमान रूप से लागू किए जाते थे। लेकिन ये कहानी उपयोगी थी।.. जाहिरा तौर पर यह कथा पश्चिमी देशों के लिए ही उपयोगी थी। मगर इस कहानी की साख बनाए रखने के लिए पश्चिम को भी कुछ मर्यादाओं का पालन करना पड़ता था। मगर अब ऐसा करने की कीमत - खासकर पश्चिमी साम्राज्यवाद की अग्रणी ताकत अमेरिका के लिए, उससे मिलने वाले लाभ से अधिक हो गई है। तो ट्रंप काल में अमेरिकी शासक वर्ग ने तमाम नकाब उतार फेके हैं। और ऐसा सिर्फ अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नहीं हुआ है। उसने ऐसा अपने देश के अंदर भी किया है, जहां तेज हुए वर्ग संघर्ष के बीच लोकतंत्र और न्याय के आवरण को बनाए रखना उसे महंगा मालूम पड़ने लगा है, मगर इस लेख में हमारा विषय यह नहीं है। यहां हम अपना ध्यान अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अमेरिकी साम्राज्य के बेनकाब होते चेहरे पर केंद्रित कर रहे हैं। इस सिलसिले में अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो का म्यूनिख सुरक्षा सम्मेलन में दिया गया भाषण उल्लेखनीय बना हुआ है। इस भाषण में रुबियो ने पश्चिम के औपनिवेशिक दौर को अतीत-मोह के साथ याद किया और उस दौर को वापस लाने का इरादा खुलेआम जताया। इस प्रयास में उन्होंने यूरोप का साथ मांगा, तो फिलहाल ट्रंप प्रशासन के ठोकरों से आहत यूरोपीय नेताओं में उत्साह दौड़ गया। भाषण का यही एकमात्र हिस्सा रहा, जब यूरोपीय नेताओं ने खड़े होकर तालियां बजाईं! डॉनल्ड ट्रंप प्रशासन की विदेश एवं युद्ध नीतियों का क्या मकसद है, अपने इस भाषण में मार्को रुबियो ने इसे दो-टूक या बेहिचक लहजे में दुनिया के सामने रखा। उनके भाषण का वो हिस्सा आज के दौर में ना सिर्फ अमेरिका, बल्कि पूरे पश्चिम की बेचैनी को समझने का महत्त्वपूर्ण स्रोत है। गुजरे एक साल में ट्रंप प्रशासन के कदमों का उल्लेख करते हुए रुबियो ने कहा-यह वो मार्ग है, जिस पर राष्ट्रपति ट्रंप और संयुक्त राज्य अमेरिका ने कदम रखा है। यह वह मार्ग है, जिस पर हम आपसे (यूरोप से) हमारे साथ जुड़ने का अनुरोध करते हैं। यह वह मार्ग है, जिस पर हम पहले भी साथ चले हैं और आशा करते हैं कि फिर से एक साथ चलेंगे।ज दूसरे विश्व युद्ध की समाप्ति से पहले पांच शताब्दियों तक पश्चिम का विस्तार हो रहा था- उसके मिशनरी, तीर्थयात्री, सैनिक, खोजकर्ता आदि अपने तटों से निकलकर महासागरों को पार करते हुए, नए महाद्वीपों पर बसते रहे। वे, दुनिया भर में जाकर विशाल साम्राज्यों का निर्माण करते रहे। लेकिन 1945 से- कोलंबस के युग के बाद पहली बार- यह सिकुड़ने लगा। (दूसरे विश्व युद्ध में) यूरोप खंडहर में तब्दील हो चुका था। उसका आधा हिस्सा आयरन कर्टेन (यानी सोवियत खेमे में) के पीछे चला गया। ऐसा लगता था कि बाकी हिस्सा भी जल्द ही उसका अनुकरण करेगा। महान पश्चिमी साम्राज्य अंतिम पतन की ओर बढ़ चुके थे, जिस प्रक्रिया को ईश्वरविहीन साम्यवादी क्रांतियों और उपनिवेशवाद-विरोधी विद्रोहों ने और तेज कर दिया। ऐसा लगने लगा कि ये विद्रोह आने वाले वर्षों में दुनिया को बदल देंगे और मानचित्र के विशाल हिस्सों पर लाल हसुआ- हथौड़े का परचम लहरा देंगे। उस पृष्ठभूमि में, तब भी और अब भी, कई लोग यह मानने लगे कि पश्चिम के प्रभुत्व का युग समाप्त हो गया है। पश्चिम का भविष्य अब उसके अतीत की एक धुंधली और क्षीण प्रतिध्वनि मात्र होगा। लेकिन साथ मिलकर, हमारे पूर्ववर्तियों ने पहचाना कि पतन महज एक विकल्प है। यह एक ऐसा विकल्प था, जिसे उन्होंने अस्वीकार कर दिया। यह हमने एक बार पहले भी एक साथ किया था और यही वो काम है जिसे राष्ट्रपति ट्रंप और संयुक्त राज्य अमेरिका अब आपके साथ मिलकर फिर से करना चाहते हैं।।।।।

## चीन से सावधान रहने की अभी भी दरकार

**डा. अश्विनी महाजन**

हमें यह भी समझना होगा कि चीनी टेक्नॉलोजी, पूंजी या कंपोनेंट्स पर बहुत ज्यादा निर्भरता रणनीतिक स्वायत्तता के लक्ष्य के विरुद्ध है। जिस-जिस क्षेत्र में मैन्युफैक्चरिंग में चीनी कंपनियों का दबदबा हो जाता है, वहां स्थानीय कंपनियां प्रतिस्पर्द्धा से बाहर हो जाती हैं समाचारों के हवाले से यह सूचना आ रही है कि भारत सरकार ने चीन से आने वाले निवेश पर बंदिशों में ढील दे दी है। गौरतलब है कि 2020 के प्रेस नोट-3 के तहत चीन सहित पड़ोसी देशों से निवेश के लिए सरकारी मंजूरी अनिवार्य कर दी गई थी। वर्ष 2020 के प्रेस नोट-3 में बनाए गए नियमों के तहत चीन, बांग्लादेश, पाकिस्तान, नेपाल, भूटान, म्यांमार और अफगानिस्तान जैसे पड़ोसी देशों की विदेशी कंपनियों को भारत में निवेश करने के लिए अभी तक पहले सरकारी मंजूरी लेनी पड़ती थी। इसमें यह भी प्रावधान था कि चाहे निवेश किसी भी अन्य देश के माध्यम से आया हो, लेकिन यदि इसका लाभकारी स्वामित्व इन पड़ोसी देशों में स्थित हो, तो भी पूर्व सरकारी मंजूरी का यह प्रावधान लागू होता है। प्रेस नोट-3 से पहले भारत में अधिकांश क्षेत्रों से विदेशी निवेश स्वचालित मार्ग से आता था। गौरतलब है प्रेस नोट-3 का मुख्य उद्देश्य चीन से आने वाले निवेश के रास्ते में रुकावट लगाना था। गौरतलब है कि जून 2020 में गलवान घाटी में हुई हिंसक झड़प के बाद भारत और चीन के बीच संबंधों में खटास आ गई। उस दौर में सरकार ने राष्ट्रीय सुरक्षा और डेटा गोपनीयता को प्राथमिकता देते हुए न केवल चीन से पूंजी निवेश पर रुकावटें खड़ी की, बल्कि टिकटॉक समेत 200 से अधिक मोबाइल एप्लीकेशन पर प्रतिबंध लगा दिया था। हालांकि गलवान झड़प के बाद पिछले 5 सालों से अधिक समय से चीन ने सीमा विवाद खड़े करने समेत ऐसी कोई बड़ी आपत्तिजनक हरकत नहीं की है, लेकिन पूरी दुनिया में इस बात को लेकर मतैक्य है कि चीन द्वारा विभिन्न माध्यमों से जासूसी करने और कंप्यूटर प्रणाली को हैक करने की सदैव प्रवृत्ति रही है, और इसमें कोई सुधार अभी तक नहीं हुआ है और न ही सुधार की कोई आशा है। पिछले 5 सालों से अधिक समय से चीन के निवेश पर जो बंदिशें लगी हुई थी, अचानक उन्हें हटाने पर आश्चर्य व्यक्त किया जा रहा है। ऐसे में प्रश्न उठता है कि ऐसा क्यों किया गया? छानबीन करने पर पता चलता है कि इस संबंध में नीति आयोग की सिफारिशें चीनी निवेश पर रोक हटाने का सबसे बड़ा कारण

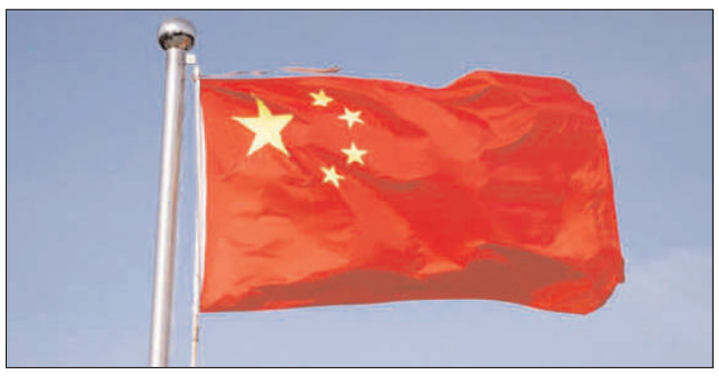

बनी। देखा जाए तो इन बंदिशों के कारण अप्रैल 2000 से दिसंबर 2025 के बीच चीन से एफडीआई भारत में आने वाली कुल एफडीआई का मात्र 0.32 प्रतिशत यानी 2.51 अरब डालर रहा। लेकिन जहां चीन से आने वाली एफडीआई कम होती गई, इस दौरान चीन से बढ़ते आयातों के चलते चीन के साथ व्यापार घाटा लगातार बढ़ते हुए वर्ष 2024-25 में 99.2 अरब डालर तक पहुंच गया। प्रेस नोट-3 के लागू होने के पहले भारत के स्टार्टअप में चीनी निवेशक बड़ी मात्रा में निवेश कर रहे थे। लेकिन 2020 के बाद सरकारी मंजूरी की बाध्यता के कारण चीनी निवेश धीमा हो गया। यही नहीं इस दौरान चीन की इंफ्रास्ट्रक्चर कंपनियों को न केवल नए ठेकों से बाहर किया गया, बल्कि जिन ठेकों के बारे में निर्णय लंबित था, उनसे भी चीन को बाहर कर दिया गया। क्या है नीति आयोग की सिफारिशें : सरकारी थिंक टैंक नीति आयोग ने दो विकल्प सरकार के सामने रखे। पहला कि प्रेस नोट-3 को निरस्त कर दिया जाए और चीन से निवेश पूर्व की भांति बहाल किया जाए। नीति आयोग ने दूसरा विकल्प यह दिया कि चूंकि 2020 के बाद चीनी निवेश पर बंदिशें लगाने के कारण प्रत्यक्ष विदेशी निवेश प्रभावित हुआ है, इसलिए किसी भी भारतीय कंपनी में 24 प्रतिशत तक हिस्सेदारी वाले निवेश पर बिना किसी अनुमति के निवेश खोल दिया जाना चाहिए। इन सिफारिशों को मानना या न मानना सरकार पर निर्भर करता है। नीति आयोग का यह कहना है कि चीन की बीवाईडी नाम की कंपनी द्वारा कार मैन्युफैक्चरिंग के संयुक्त उपक्रम में एक अरब डालर के निवेश का प्रस्ताव इन नियमों के कारण निरस्त हुआ। चीन के निवेश पर लगी रोक के कारण दक्षिण एशियाई देशों से प्रत्यक्ष विदेशी निवेश बहुत कम हो गया और देश में कुल निवल प्रत्यक्ष विदेशी निवेश एक अरब डालर से भी कम रह गया। इसके अलावा एक अन्य महत्वपूर्ण थिंक टैंक आईसीआरआईईआर (इक्रियर) ने भी चीन से निवेश को बढ़ावा देने की सिफारिश कर दी। इक्रियर ने तो डिफेंस, टेलीकॉम, इन्फ्रास्ट्रक्चर और उभीरती टेक्नोलॉजी को छोडक़र सभी गैर संवेदनशील मैन्युफैक्चरिंग क्षेत्र के लिए 49 प्रतिशत तक के पूंजी निवेश को अनुमति देने की सिफारिश की थी। लेकिन इसके साथ ही इक्रियर ने यह भी कहा कि चीनी निवेश को बढ़ावा देने के साथ-साथ प्रवेश से पूर्व जांच संस्थागत सुरक्षा, स्वीकृति के बाद नियमित सुरक्षा, विदेशी स्वामित्व की एक केन्द्रीकृत रजिस्ट्री, आवश्यक प्रौद्योगिकी हस्तांतरण तथा समय-समय पर अनुपालन के स्वतंत्र ऑडिट सरीखी शर्तों के साथ यह अनुमति दी जानी चाहिए। विभिन्न एजेंसियों के बीच बेहतर समन्वय की व्यवस्था की भी सिफारिश इक्रियर ने की।

# मुनि श्री प्रणम्य सागर जी महाराज द्वारा रचित श्री वर्धमान स्तोत्र विधान ऋद्धि मंत्रों के साथ सम्पन्न

**जयपुर।** दिगम्बर जैन मंदिर गायत्री नगर महारानी फार्म जयपुर में परम पूज्य मुनि श्री विनम्र सागर जी महाराज, मुनि श्री निस्स्वार्थ सागर जी महाराज, मुनि श्री निसर्ग सागर जी महाराज ससंघ के आशीर्वाद व सानिध्य में अर्हं श्री वर्धमान महिला समूह द्वारा 19 मार्च दोपहर 1बजे से अर्हम योग प्रणेता परम पूज्य मुनि श्री प्रणम्य सागर जी महाराज द्वारा रचित श्री वर्धमान स्तोत्र विधान पूजायें ऋद्धि मंत्रों के परम पूज्य साथ भक्ति पूर्वक सम्पन्न हुआ।

उक्त कार्यक्रम में दीप प्रज्वलन मंडल की पदाधिकारियों द्वारा किया गया। मंडल पर सोधर्म इन्द्र - इन्द्राणी अरुण-ज्योति शाह, महाइन्द्र आलोक -प्रमिला शाह, उदयभान जैन -अनिता बडजात्या ने स्थापना कर विधान पूजायें कीं। आदिनाथ महिला मंडल की प्रचार मंत्री अनिता बड़जात्या ने अवगत कराया कि 64 ऋध्दि मंत्रों का उच्चारण परम पूज्य मुनि श्री निस्स्वार्थ सागर जी महाराज व विधानाचार्य पं. अजित शास्त्री गायत्री नगर द्वारा किया गया। इस अवसर पर विभिन्न संस्थाओं के पदाधिकारी, समाज के गणमान्य महानुभाव, महिला - पुरुष एवं अर्हं श्री वर्धमान महिला समूह की समस्त सदस्या नेहा कटारिया, नीलू जैन,गरिमा जैन,मनीषा जैन, नेहा जैन , साक्षी जैन ,.मोनिका गोधा,शिखा सेठी,रिचा जैन ,मेघा जैन,स्वाति जैन ,शिल्पा जैन,.दीपिका जैन,.ऋचा जैन,.कल्पना जैन,.राखी झांझरी ,.सोनिका जैन.अनीता लुहाड़िया ,.रूचिता पाटनी,.कोमल झांझरी , आरती सोनी ,. विजेता जैन ,. सुलेखा जैन , निशा छाबड़ा ,साक्षी जैन आदि ने उपस्थित होकर विधान पूजायें कीं। इस अवसर पर मंदिर प्रबंध समिति के अध्यक्ष कैलाश छाबड़ा पुलक मंच की राष्ट्रीय महामंत्री बिना टोंग्या , आदि नाथ महिला मंडल की महामंत्री रेखा झंझरी, अखिल भारतवर्षीय दिगम्बर जैन युवा परिषद के राष्ट्रीय महामंत्री उदयभान जैन

# जिनमंदिर निर्माण में दान सर्वश्रेष्ठ -मुनि सुधासागर

- वाहुवलिनगर में मुनि श्री के सानिध्य में मंदिर पुण्यार्जक ने किया शिलान्यास

**ललितपुर।** श्री वाहुवलिनगर में तीर्थ चक्रवर्ती निर्यापक श्रमण मुनि श्री सुधासागर महाराज ने धर्मसभा को सम्बोधित करते हुए दान की महिमा बताई और कहा धर्म और जिनमंदिर के निर्माण में किया गया दान सर्वश्रेष्ठ है उन्होने कहा दान को उत्साह के साथ देना चाहिए जितना देते है उसका फल कईगुना मिलता है। आज प्रात:काल मुनि श्री का अभिनंदनोदय तीर्थ से बाहुवलिनगर की के लिए पदार्पण हुआ जहां मुनि श्री की श्रावकों ने गाजे बाजे के साथ जयजयकारों के मध्य अगुवाई की। जिसमें आदिनाथ सेवा संघ वाहवलिनगर का दिव्यघोष और ध्वजा लिए हुए नवयुवक आकर्षण का केन्द्र रहे। वाहुवलिनगर में मुनि

श्री का श्रावकों ने द्वारे द्वारे पादप्रक्षालन किया। मुनि श्री के मुखारविन्द से शान्तिधारा का श्रावकों ने पुण्याजन किया। जैन मिलन महिला मण्डल ने संगीतमय पूजन कर अर्घ समर्पित किए। इस मौके पर मुनि श्री के ससंघ सानिध्य में मंदिर जीर्णोद्धार के लिए समाज संकल्पित हुई और पुर्णाजक पारिवार अशोक जैन अर्पित जैन शिवाजी मातोश्री परिवार ने आधारशिला रखते हुए मुनि श्री से आर्शीवाद ग्रहण किया। धर्मसभा का संचालन महामंत्री आकाश जैन एवी गैस द्वारा किया गया। अभिनंदनोदय तीर्थ में मुनि श्री के सानिध्य में नवीन वेदिका पर विराजित रजतमयी प्रतिमाओं का अभिषेक का पुण्यार्जन विनोद कुमार देवेन्द्र कामरा परिवार द्वारा किया गया। मुनि श्री सुधासागर महाराज की आहरचर्या का पुर्याजन संदीप जैन अलंकार ज्वैलर्स परिवार को मिला।

इस मौके पर प्रमुख रूप से नगरपालिका अध्यक्ष सोनाली जैन अभिलाषा, जैन पंचायत के अध्यक्ष डॉ0 अक्षय टडैया, महामंत्री आकाश जैन, संयोजक सनत जैन खजुरिया, मंदिर प्रबंधक मोदी पंकज जैन, अशोक दैलवारा, विकास जैन सौरई, अभय जैन कैलगुवा धार्मिक अयोजन संयोजक प्रतीक इमलिया, राकेश जैन रिंकू, श्रेष्ठी शीलचंद अनौरा, मुन्ना लाल जैन सैदपुर, अनिल जैन अंचल, नरेन्द्र जैन छोटे पहलवान, राजेन्द्र जैन थनवारा, अक्षय अलया मीडिया प्रभारी, संजय रसिया, जीवन जैन मिर्चवारा, नरेन्द्र कडंकी, संजीव सौरया, अभिषेक ककडारी, आदि मौजूद रहे।

## आचार्य श्री वर्धमान सागर जी ने केश लोचन किए

**जयपुर।** आचार्य श्री वर्धमान सागर जी 10 मुनिराज,20 आर्यिकाओं 01 ऐलक 3 क्षुल्लक 34 साधुओं सहित जयपुर अतिशय क्षेत्र चुलगिरी राणा जी की नसिया में ग्रीष्म कालीन वाचना हेतु विराजित हैं विराजित हैं। नसिया के पदाधिकारियों और जयपुर के अनेक मंदिरों,कॉलोनियों के भक्तों नेआचार्य श्री वर्धमान सागर जी से आशीर्वाद लेकर अपनी अपनी कॉलोनियों मे आगमन हेतु निवेदन कर रहे हैं आज अनेक श्रद्धालुओं के सामने श्री वर्धमान सागर जी ने केशलोचन किया। केश लोचन के बारे में संघ के श्री हितेंद्र सागर जी ने चर्चा में बताया कि प्रत्येक दिगंबर साधु को 2 माह से 4 माह की अवधि के भीतर के केशलोचन करना अनिवार्य है।केशलोच दिगंबर साधु का मूल गुण है । केशलोचन के माध्यम से शरीर से राग और मोह दूर होता है जैन धर्म अहिंसा प्रधान धर्म है बालों का लोचन अगर नहीं किए जाएं तो उसमें छोटे-छोटे जीवो की उत्पत्ति होने की संभावना होती है जैन साधु अहिंसा धर्म के महाव्रती होते हैं।राजेश पंचोलिया अनुसार मुनि श्री ने बताया कि जैन साधु अपरिग्रही होते हैं। इसलिए जैन साधु अपने हाथ से केशलोचन करते हैं केश लोच से शरीर से ममत्व दूर होता है केश लोचन के समय तप,संयम, धैर्य के साथ धर्म की प्रभावना होती है जिस दिन जैन साधु केशलोच करते हैं उस दिन उपवास करते हैं इस अवसर पर अनेक समाज जन उपस्थित रहे।

# केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने अधिकारियों के साथ यात्री सुविधाओं और सुरक्षा की समीक्षा की

**नईदिल्ली।** रेल, सूचना और प्रसारण तथा इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव ने आज रेल भवन में वरिष्ठ रेल अधिकारियों के साथ एक व्यापक समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की। इस बैठक का उद्देश्य स्टेशन पहुंच, यात्री सुविधाओं के उन्नयन और यात्री अनुभव को बेहतर बनाने के लिए किए गए अन्य सुरक्षा संबंधी उपायों की प्रगति का आकलन करना था। बैठक में प्रवेश नियंत्रण, भीड़ प्रबंधन, प्रौद्योगिकी आधारित निगरानी और स्टेशन परिसर के भीतर सुगम आवागमन जैसे उपायों पर ध्यान केंद्रित किया गया। ये सुधार सर्वप्रथम नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर लागू किए जाएंगे और प्राप्त अनुभवों के आधार पर इन्हें अन्य स्टेशनों पर

भी क्रियान्वित किया जाएगा।

नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर व्यापक एआई-संचालित निगरानी प्रणाली को कैमरों के माध्यम से तैनात किया जाएगा, जो प्लेटफॉर्म, कॉनकोर्स, प्रवेश-निकास बिंदुओं और अनधिकृत प्रवेश की संभावना वाले क्षेत्रों सहित स्टेशन परिसर के हर कोने को कवर करेगी।

एक एक्सेप्शन इवेंट डिस्प्ले आधारित नियंत्रण कक्ष स्थापित किया जाएगा, जहां लाइव कैमरा फीड की एआई प्रोसेसिंग द्वारा निगरानी कर्मचारियों को असामान्य या असुरक्षित घटनाओं के बारे में वास्तविक समय में सूचित किया जाएगा। श्री वैष्णव ने कैमरों को सिस्टम की आंखें और एआई को मस्तिष्क बताया और इस बात पर बल दिया कि अधिकतम निगरानी प्रभावशीलता सुनिश्चित करने के लिए सभी कैमरा कवरेज जोन में पर्याप्त रोशनी होनी चाहिए।

रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) को अतिरिक्त रूप से तैनात किया जाएगा ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि केवल टिकट धारक यात्री ही स्टेशन परिसर में प्रवेश कर सकें और मैनुअल चेकिंग के बजाय निगरानी-आधारित मॉनिटरिंग को अपनाया जाएगा। विशाल कार्यबल में एकरूपता और जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए, स्टेशन पर कार्यरत सभी कर्मियों के लिए रंग-आधारित पहचान प्रणाली लागू की गई है। रेलवे कर्मचारी फ्लोरोसेंट जैकेट पहनेंगे, जबकि विक्रेता, स्टेशन सहायक, संविदा कर्मचारी और आईआरसीटीसी कर्मियों सहित गैर-कर्मचारी भी किसी अन्य रंग की जैकेट पहनेंगे। यह कदम स्टेशन परिसर में मौजूद यात्रियों, कर्मचारियों और अन्य गैर-कर्मचारियों जैसे कुली, विक्रेताओं के कर्मचारी, भोजन, सफाई, पार्सल और रखरखाव कर्मियों की त्वरित पहचान सुनिश्चित करने के लिए उठाया जा रहा है, जिनसे सुरक्षा अधिकारी और टिकट जांच कर्मचारी अपने कर्तव्यों का पालन करते समय संपर्क में रहते हैं।

सभी कर्मचारियों और गैर-कर्मचारियों को पहचान पत्र जारी किए जाएंगे, जिनमें पहचान के लिए आवश्यक सभी विवरण शामिल होंगे। इस एकसमान पहचान प्रणाली को धीरे-धीरे उत्तरी क्षेत्र के सभी स्टेशनों पर लागू किया जाएगा।

# नवरात्रि की द्वितीय दिवस श्रद्धालुओं ने की मां ब्रम्हचारिणी की पूजा




**रायपुर ( विश्व परिवार )।** आदि शक्ति मां दुर्गा के द्वितीय स्वरूप मां ब्रम्हचारिणी की पूजा भक्तों ने आज पूरे प्रदेश भर में माता देवालयों में सुबह से कतारबद्ध होकर विधिविधान से की। इधर शहर एवं ग्रामीण क्षेत्रों में स्थित चौपालों में भी माता रानी के भजन पूजन का कार्यक्रम गुरुवार से प्रारंभ हो गया है। दलदलसिवनी स्थित मां दुर्गा के मंदिर में श्रद्धालुओं ने देर रात तक आदि शक्ति की आराधना स्वरूप भजन पूजन का कार्यक्रम सामूहिक रूप से किया। पौराणिक मान्यता के अनुसार मां ब्रम्हचारिणी का स्वरूप तपस्या और संयम का स्वरूप माना जाता है। पूर्व जन्म में मां ब्रम्हचारिणी हिमालय की पुत्री पार्वती थी और उन्होंने नारद जी के निर्देशानुसार कठोर तप कर शिव जी को पति रूप में पाने के लिए तपस्या की थी। मां का यह स्वरूप कठोर तप से फल प्राप्ति की दिशा में श्रद्धालुओं को प्रेरित करता है। महामाया मंदिर रायपुर शीतला मंदिर, दंतेश्वरी मंदिर सहित राजधानी रायपुर एवं प्रदेश के माता देवालयों में जंवारा एवं दीप प्रज्जवलित कार्यक्रम श्रद्धालुओं की उपस्थिति में जय माता दी के उद्घोष से प्रारंभ हुआ।

# नगर निगम भिलाई क्षेत्र के नालियों की सफाई युद्ध स्तर पर जारी

**भिलाईनगर ( विश्व परिवार )।** नगर पालिक निगम भिलाई क्षेत्रांतर्गत इन दिनों नालियों की सफाई का कार्य युद्ध स्तर पर किया जा रहा है। शहर को स्वच्छ और जलभराव मुक्त रखने के उददेश्य से निगम प्रशासन ने विशेष सफाई अभियान शुरू किया है।

निगम आयुक्त राजीव कुमार पाण्डेय के निर्देश पर अलग-अलग टीमों का गठन कर विभिन्न वार्डो एवं सड़क किनारे लगे नालियों की नियमित सफाई कराई जा रही है। सफाई कर्मी सुबह से ही प्रमुख सड़कों, गलियों और

बस्तियों में जमे गंदगी को हटाने में संलग्न रहते हैं। साथ ही नालियों से निकले कचरे को तत्काल उठाव भी सुनिश्चित किया जा रहा है। आगामी बारिश के मौसम को ध्यान में रखते हुए यह अभियान तेज किया गया है, ताकि जलभराव की समस्या से नागरिकों को राहत मिल सके।

# वीरांगना अवन्ति बाई लोधी को बलिदान दिवस पर महापौर मीनल चौबे ने दी आदरांजलि

**रायपुर ( विश्व परिवार )।** आज वीरांगना अवन्ति बाई लोधी के बलिदान दिवस पर राजधानी शहर रायपुर के पंडरी स्थित जिला अस्पताल प्रांगण में उनकी प्रतिमा के समक्ष उन्हें सादर नमन करने रायपुर नगर पालिक निगम संस्कृति विभाग के तत्वावधान में रखे गए संक्षिप्त पुष्पांजलि आयोजन में पहुंचकर राजधानी शहर की प्रथम नागरिक रायपुर नगर पालिक निगम की महापौर श्रीमती मीनल चौबे ने समस्त राजधानीवासियों की ओर से वीरांगना अवन्ति बाई लोधी का बलिदान दिवस पर सादर नमन करते हुए आदरांजलि अर्पित की. संक्षिप्त पुष्पांजलि आयोजन में

प्रतिमा स्थल पर पहुंचकर वीरांगना अवन्ति बाई लोधी को बलिदान दिवस पर प्रमुख रूप से रायपुर नगर निगम संस्कृति विभाग अध्यक्ष श्री अमर गिदवानी, एमआईसी सदस्य श्री भोलाराम साहू, पूर्व पार्षद डॉ प्रमोद साहू, श्री मोहन उपारकर सहित लोधी क्षत्रिय समाज के पदाधिकारियों, महिलाओं, सामाजिक कार्यकर्त्ताओं, नवयुवकों, आमजनों ने बड़ी संख्या में सादर नमन किया.

# कलेक्टर की पहल से नेटवर्क मार्केटिंग में फंसे युवाओं की हुई सुरक्षित घर वापसी

**बलौदाबाजार ( विश्व परिवार )।** नेटवर्क मार्केटिंग कार्य के लिए उत्तरप्रदेश के झाँसी जिले में ठेकेदार के चंगुल में फंसे जिले के 11 युवाओं की सुरक्षित घर वापसी कलेक्टर कुलदीप शर्मा की पहल पर हुई। घर वापस पहुंचे युवाओं ने गुरुवार को कलेक्टर कुलदीप शर्मा से भेंट कर प्रशासन के प्रति आभार जताया। कलेक्टर श्री शर्मा ने उन्हें समझाया कि रोजगार के लिये बाहर जाने से पहले पुरी जानकारी लिया करें। स्थानीय स्तर पर भी रोजगार की तलाश करें।

प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम पंचायत गोगिया एवं चमारी के सरपंच शिव कुमार गोयल ने कलेक्टर कुलदीप शर्मा को शिकायत में बताया कि उनके ग्राम पंचायत के युवा गजेन्द्र बंजारे, हुसैन घृतलहरे एवं अन्य 3 युवा को मउरानी, जिला झाँसी (उत्तरप्रदेश) निवासी दिनेश धुवी, रामदेव साहू के द्वारा नेटवर्क मार्केटिंग का कार्य किये जाने हेतु बुलाए गए थे। पत्र में लेख किया गया था कि उक्त युवाओं के साथ मारपीट व अन्य प्रकार के वेदनाए करते हैं जिस कारण सभी युवा वापस अपने गृह ग्राम आना चाहतें हैं।

# अलीपुर द्वार और नागपुर के मध्य एक फेरे के लिए स्पेशल ट्रेन का परिचालन

**रायपुर ( विश्व परिवार )।** रेलवे प्रशासन द्वारा यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को नियंत्रित करने तथा उन्हे सुगम, सुरक्षित एवं आरामदायक यात्रा सुविधा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से अलीपुर द्वार और नागपुर के मध्य एक फेरे के लिए स्पेशल ट्रेन का परिचालन किया जा रहा है 7 इस गाड़ी का वाणिज्यिक ठहराव दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के रायगढ़, बिलासपुर, रायपुर, गोंदिया एवं नागपुर स्टेशनों पर दिया गया है। गाड़ी संख्या 05472 अलीपुर द्वार-नागपुर स्पेशल ट्रेन 21 मार्च (शनिवार) 2026 को अलीपुर द्वार से 06.30 बजे रवाना होगी तथा दलगाँव आगमन 08.10 बजे, प्रस्थान 08.12 बजे, न्यू माल आगमन 09.15 बजे, प्रस्थान 09.17 बजे, सिलीगुड़ी आगमन 11.18 बजे, प्रस्थान 11.20 बजे, न्यू जलपाईगुड़ी आगमन 11.45 बजे, प्रस्थान 11.55 बजे, आलुआबाड़ी रोड आगमन 12.38 बजे, प्रस्थान 12.40 बजे, किशनगंज आगमन 13.03 बजे, प्रस्थान 13.05 बजे, बारसोई आगमन 13.50 बजे, प्रस्थान 13.52 बजे, मालदा टाउन आगमन 16.05 बजे, प्रस्थान 16.15 बजे, रामपुर हाल्ट आगमन 18.25 बजे, प्रस्थान 18.27 बजे, बोलपुर(शांति निकेतन) आगमन 19.07 बजे, प्रस्थान 19.12 बजे, बर्द्धमान आगमन 21.10 बजे, प्रस्थान 21.15 बजे, डानकुनि आगमन 22.07, प्रस्थान 22.12 बजे दूसरे दिन (रविवार) को खड़गपुर आगमन 01.55 बजे, प्रस्थान 02.00 बजे, टाटानगर आगमन 04.05 बजे, प्रस्थान 04.15 बजे, रायपुर आगमन 15.00 बजे, प्रस्थान 15.05 बजे, गोंदिया आगमन 18.10 बजे, प्रस्थान 18.15 बजे होते हुये 21.00 बजे नागपुर स्टेशन पहुंचेगी।

# प्राचीन ज्ञान और आधुनिक विज्ञान का संगमः दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी सफलतापूर्वक सम्पन्न

**सहसपुर लोहारा ( विश्व परिवार )।** शासकीय गजानंद माधव मुक्तिबोध महाविद्यालय, सहसपुर लोहारा में ज्ञान-विज्ञान का संगमः प्राचीन दृष्टि और आधुनिक नवाचार का मिलन विषय पर 17 एवं 18 मार्च 2026 को आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी सफलतापूर्वक सम्पन्न हुई। इस संगोष्ठी में देश के विभिन्न विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों से आए शोधार्थियों, प्राध्यापकों एवं विद्वानों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की और अपने शोध एवं विचारों का प्रभावी प्रस्तुतिकरण किया।

संगोष्ठी के प्रथम दिवस मुख्य अतिथि के रूप में हेमचंद यादव विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. डॉ. संजय तिवारी वर्चुअल माध्यम से जुड़े। अपने उद्बोधन में उन्होंने भारतीय ज्ञान परंपरा की प्रासंगिकता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि प्राचीन भारतीय ज्ञान-

विज्ञान अत्यंत समृद्ध एवं वैज्ञानिक आधारों पर स्थापित है, जिसे आधुनिक तकनीक एवं नवाचारों के साथ समन्वित कर नए शोध आयाम विकसित किए जा सकते हैं। उन्होंने युवाओं एवं शोधार्थियों को इस दिशा में गंभीरतापूर्वक कार्य करने हेतु प्रेरित किया। द्वितीय दिवस के समापन सत्र में मुख्य अतिथि के रूप में क्षेत्रीय संचालक, उच्च शिक्षा दुर्ग संभाग, डॉ. अनुपमा अस्थाना उपस्थित रहीं। उन्होंने अपने विस्तृत उद्बोधन में प्राचीन ज्ञान और आधुनिक विज्ञान के समन्वय की आवश्यकता पर बल देते हुए कहा कि आज के समय में सतत विकास एवं नवाचार के लिए पारंपरिक ज्ञान को वैज्ञानिक दृष्टिकोण के साथ जोड़ना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने इस प्रकार की संगोष्ठियों को ज्ञान-विनिमय का सशक्त माध्यम बताते हुए इसके आयोजन की सराहना की। प्रमुख अतिथि इंदिरा कला संगीत विश्वविद्यालय के अधिष्ठता डॉ. राजन यादव ने भी अपने संबोधन में प्राचीन एवं आधुनिक ज्ञान के समन्वय को वर्तमान समय की आवश्यकता बताया। प्रमुख अतिथि डॉ. जे. ए. धनश्याम, प्राचार्य कुकदुर महाविद्यालय, ने अपने वक्तव्य में ज्ञान-संगम की अवधारणा को विस्तार से स्पष्ट किया तथा शोध के क्षेत्र में नवाचार एवं अंत:विषय दृष्टिकोण अपनाने पर बल दिया। वहीं कवर्धा महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. श्रीमती ऋचा मिश्रा ने संगोष्ठी में अपने विचार व्यक्त करते हुए इस आयोजन को शिक्षण एवं शोध के क्षेत्र में अत्यंत महत्वपूर्ण पहल बताया।महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. श्रीमती के. एस. परिहार ने स्वागत भाषण देते हुए सभी अतिथियों, विद्वानों एवं प्रतिभागियों का आत्मीय स्वागत किया। उन्होंने संगोष्ठी की भूमिका प्रस्तुत करते हुए बताया कि इस आयोजन का उद्देश्य भारतीय ज्ञान परंपरा, वैज्ञानिक दृष्टिकोण एवं आधुनिक नवाचारों के बीच सार्थक संवाद स्थापित करना है।

# रेलवे ने डोंगरगढ़ जाने वाले श्रद्धालुओं के लिए बढ़ाई गई सुविधाएं

**रायपुर ( विश्व परिवार )।** चैत्र नवरात्रि के दौरान डोंगरगढ़ स्थित मां बम्लेश्वरी मंदिर में लगने वाले नवरात्रि मेले में आने-जाने वाले श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए रेलवे प्रशासन ने नेताजी सुभाष चंद्र बोस (इतवारी) कोरबा के बीच मेमू स्पेशल ट्रेन चलाने का निर्णय लिया है। यह ट्रेन 23 से 28 मार्च तक चलेगी और इस दौरान 63 स्टेशनों पर रुकेगी। पूरी दूरी तय करने में ट्रेन को करीब 14 घंटे 30 मिनट लगेंगे। रेलवे के अनुसार ट्रेन नंबर 06883 नेताजी सुभाष चंद्र बोस (इतवारी)-कोरबा मेमू स्पेशल सुबह 5 बजे इतवारी से रवाना होगी और मध्यवर्ती स्टेशनों से होते हुए शाम 7.30 बजे कोरबा पहुंचेगी। इसी तरह ट्रेन नंबर 06884 कोरबा-नेताजी सुभाष चंद्र बोस (इतवारी) मेमू स्पेशल कोरबा से सुबह 5.10 बजे रवाना होकर निर्धारित स्टेशनों पर रुकते हुए शाम 7.30 बजे इतवारी पहुंचेगी।

## संक्षिप्त समाचार

### आंगनबाड़ी केंद्रों में भर्ती प्रक्रिया फिर शुरू, 7 अप्रैल तक ऑनलाइन आवेदन

**गरियाबंद।** एकीकृत बाल विकास परियोजना गरियाबंद के अंतर्गत आंगनबाड़ी केंद्रों में रिक्त पदों पर भर्ती प्रक्रिया एक बार फिर शुरू कर दी गई है। पूर्व में तकनीकी कारणों से निरस्त की गई भर्ती को अब सुधार के बाद पुनः प्रारंभ किया गया है। इच्छुक अभ्यर्थी ई-भर्ती पोर्टल के माध्यम से 23 मार्च से 7 अप्रैल 2026 तक आवेदन कर सकते हैं। जानकारी के अनुसार, इस भर्ती के तहत कुल 3 पद भरे जाएंगे, जिनमें 1 पद आंगनबाड़ी कार्यकर्ता तथा 2 पद आंगनबाड़ी सहायिका के शामिल हैं। सेक्टर पीपरछेड़ी के अंतर्गत आंगनबाड़ी केंद्र भुंजिया पीपरछेड़ी (ग्राम पंचायत पीपरछेड़ी) में कार्यकर्ता का 1 पद रिक्त है। वहीं सेक्टर धवलपुर के आंगनबाड़ी केंद्र कुकुरार (ग्राम पंचायत आमामोरा) में सहायिका का 1 पद खाली है। इसके अलावा सेक्टर गरियाबंद के आंगनबाड़ी केंद्र पारागांव में सहायिका का 1 पद भरा जाएगा। आवेदन प्रक्रिया पूरी तरह ऑनलाइन रखी गई है। अभ्यर्थी ई-भर्ती पोर्टल (www.erecruit-ment.in) के माध्यम से निर्धारित तिथि तक आवेदन कर सकते हैं। भर्ती से जुड़ी विस्तृत जानकारी पोर्टल पर उपलब्ध है। प्रशासन ने पात्र उम्मीदवारों से समय सीमा के भीतर आवेदन करने की अपील की है।

### संतूर ने असली चंदन लेप वाली अगरबत्ती के साथ नई श्रेणी में रखा कदम

**बिलासपुरः** विप्रो कंज्यूमर केयर एंड लाइटिंग के प्रमुख ब्रांड संतूर ने असली चंदन लेप से बनी संतूर अगरबत्ती के साथ अगरबत्ती श्रेणी में प्रवेश किया है। यह लॉन्च घर के वातावरण सेगमेंट में संतूर के विस्तार को दर्शाता है, जो चंदन-आधारित उत्पादों के साथ ब्रांड के पुराने जुड़ाव को आगे बढ़ाता है। संतूर दशकों से अपने पर्सनल केयर पोर्टफोलियो में चंदन को शामिल करने के लिए जाना जाता है। इस लॉन्च के साथ, ब्रांड उस विरासत को अगरबत्ती में भी आगे बढ़ा रहा है। इसके फॉर्मूलेशन में मुख्य सामग्री के तौर पर असली चंदन लेप का इस्तेमाल किया गया है, जो पारंपरिक रूप से मंदिरों और घरों में प्रयोग होता आया है। संतूर अगरबत्ती श्रेणी तीन प्रकारों में उपलब्ध है–चंदन लेप, चंदन और मोगरा, तथा चंदन और केसर 7 इन सभी प्रकार को असली चंदन लेप से तैयार किया गया है, जिससे उपभोक्ताओं को जानी-पहचानी, पारंपरिक और लंबे समय तक रहने वाली खुशबू का अनुभव मिलता रहे । संतूर अगरबत्ती के बारे में बात करते हुए उषासिस साहा, विप्रो कंज्यूमर केयर एंड लाइटिंग के जीएम ब्बिजनेस डेवलपमेंट ने कहा, फ्हमें असली चंदन लेप से बनी संतूर अगरबत्ती पेश करते हुए बेहद खुशी हो रही है। संतूर की हर अगरबत्ती हमारी परंपरा का प्रतीक है–इसे उसी शुद्ध चंदन लेप से बनाया गया है, जो सदियों से मंदिरों और घरों को अपनी गहरी और पवित्र सुगंध से भरता आ रहा है। संतूर अगरबत्ती स्थानीय किराना दुकानों पर 125/120 ग्राम के ज़िपयुक्त पैक और 20 ग्राम के पैक में उपलब्ध होगी, और पूरी श्रृंखला में कुल सात अलग-अलग उत्पाद रूप (एसकेयू) होंगे। इस लॉन्च के साथ संतूर ने एक नई श्रेणी में प्रवेश करते हुए प्रामाणिकता और सामग्री-आधारित विशिष्टता पर अपने फोकस को और मजबूत किया है।

## झूलेलाल के जयकारों से गूंजा शहर, आस्था और एकता का अद्भुत संगम



**गरियाबंद (विश्व परिवार)।** जिला मुख्यालय गरियाबंद में चेटीचंड का पर्व पूरे उत्साह, श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया गया। शहर के मेन रोड स्थित पुराने एसपी ऑफिस के सामने आयोजित भव्य समारोह में सिंधी समाज के लोगों ने बड़ी संख्या में भाग लेकर अपनी आस्था और एकता का परिचय दिया।

कार्यक्रम की शुरुआत भगवान झूलेलाल की विधिवत पूजा-अर्चना से हुई। पूजा के बाद प्रसाद और मीठे शरबत का वितरण किया गया, जिससे पूरे वातावरण में भाईचारे और सद्भाव का संदेश फैलता नजर आया। आयोजन स्थल पर भक्ति गीतों और जयकारों से माहौल पूरी तरह आध्यात्मिक हो गया।

चेटीचंड पर्व सिंधी समाज के लिए विशेष महत्व रखता है। यह दिन झूलेलाल के जन्मोत्सव के साथ-साथ सिंधी नववर्ष की शुरुआत का प्रतीक भी है। मान्यता है कि झूलेलाल ने समाज को अन्याय और अत्याचार से मुक्ति दिलाते हुए प्रेम, समानता और एकता का मार्ग दिखाया था।

आयोजन के दौरान वक्ताओं ने कहा कि यह पर्व केवल धार्मिक परंपरा नहीं, बल्कि सामाजिक एकजुटता और सांस्कृतिक विरासत को सहेजने का माध्यम है। खासकर युवाओं की भागीदारी ने यह संदेश दिया कि नई पीढ़ी भी अपनी जड़ों और परंपराओं से जुड़ी हुई है।

पूरे कार्यक्रम में बच्चों, युवाओं और बुजुर्गों की सक्रिय उपस्थिति ने इसे एक पारिवारिक उत्सव का रूप दे दिया। भक्ति, उल्लास और एकता के इस संगम ने यह साबित कर दिया कि ऐसे आयोजन समाज को मजबूत बनाने में अहम भूमिका निभाते हैं।

## गरियाबंद पुलिस की बड़ी कार्रवाईः OLX पर कैमरा बेचने की साजिश में आरोपी गिरफ्तार



**गरियाबंद (विश्व परिवार)।** जिले में धोखाधड़ी के एक मामले में छुरा पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया है। आरोपी ने भरोसा जीतकर महंगे कैमरों और अन्य सामान को हड़पने की योजना बनाई थी और उन्हें ऑनलाइन प्लेटफॉर्म OLX पर बेचने के लिए अपलोड कर दिया था।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, 19 मार्च 2026 को एक प्रार्थी ने थाना छुरा में उपस्थित होकर रिपोर्ट दर्ज कराई कि 14 मार्च 2026 को सतीश कुमार बंजारे ने उसके फार्म से दो कैमरे (D-7500 एवं छ-7000), दो फ्लैश लाइट, दो सेल चार्जर, 16 सेल, 4 बैटरी, दो कैमरा बैग एवं दो चिप सहित कुल 1,65,000 रुपये मूल्य के सामान को 17 मार्च तक वापस करने का वादा कर अपने साथ ले गया था।

लेकिन आरोपी ने विश्वासघात करते हुए सामान वापस करने के बजाय उन्हें OLX पर बेचने के उद्देश्य से अपलोड कर दिया। शिकायत के आधार पर पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता (BNS) की धारा 318(2) एवं 316(2) के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू की।

थाना प्रभारी छुरा के नेतृत्व में पुलिस टीम ने मुखबिर की सूचना पर त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी का पता लगाया और उसे हिरासत में लेकर पूछताछ की। पूछताछ में आरोपी ने अपना नाम सतीश कुमार बंजारे (उम्र 24 वर्ष), निवासी ग्राम नगरदा, थाना भिलाईगढ़, जिला सारंगढ़ बताया।

पुलिस ने आरोपी के कब्जे से सभी चोरी किए गए सामान को बरामद कर जब्त कर लिया है। बरामद सामग्री में दो कैमरे (D-7500 कीमत 80,000 रुपये, छ-7000 कीमत 50,000 रुपये), दो फ्लैश लाइट, दो सेल चार्जर, 16 सेल, 4 बैटरी, दो कैमरा चार्जर, दो कैमरा बैग और दो चिप शामिल हैं, जिनकी कुल कीमत लगभग 1,62,000 रुपये आंकी गई है।

पर्याप्त साक्ष्य मिलने पर पुलिस ने आरोपी को विधिवत गिरफ्तार कर न्यायालय में प्रस्तुत किया, जहां से उसे न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया गया है। इस कार्रवाई से क्षेत्र में विश्वासघात और ऑनलाइन माध्यम से धोखाधड़ी करने वालों के खिलाफ कड़ा संदेश गया है।

## गरियाबंद में जल संकट पर बड़ा एक्शन!

### 30 जून तक पूरा जिला 'ड्राई जोन', बिना अनुमति नलकूप खुदाई पर सख्त रोक

**गरियाबंद (विश्व परिवार)।** भीषण गर्मी से पहले ही प्रशासन ने कड़ा रुख अपनाते हुए पूरे जिले में जल संरक्षण को लेकर बड़ा फैसला लिया है। 1 अप्रैल 2026 से 30 जून 2026 तक पूरे गरियाबंद जिले को जलाभाव ग्रस्त क्षेत्र घोषित कर दिया गया है। इस दौरान बिना अनुमति एक भी नया नलकूप नहीं खोदा जा सकेगा, जिससे जल दोहन पर प्रभावी नियंत्रण लगाया जा सके।

कलेक्टर बीएस उइके द्वारा जारी आदेश के अनुसार, छत्तीसगढ़ पेयजल परिरक्षण अधिनियम के तहत जिले में किसी भी प्रकार के नलकूप खनन के लिए पहले सक्षम अधिकारी से विधिवत अनुमति लेना अनिवार्य होगा। यह नियम केवल पेयजल ही नहीं, बल्कि अन्य सभी उपयोगों के लिए भी लागू रहेगा।

हालांकि, शासकीय एजेंसियों को राहत दी गई है। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग पूरे जिले में तथा नगर पालिका परिषद और नगर पंचायतें अपने-अपने नगरीय क्षेत्रों में केवल पेयजल हेतु नलकूप खनन कर सकेंगी। लेकिन उन्हें भी इस अवधि में किए गए खनन की पूरी जानकारी प्राधिकृत अधिकारी को देनी होगी।

प्रशासन ने अनुमति प्रक्रिया को पारदर्शी और क्षेत्रवार बनाने के लिए अधिकारियों की नियुक्ति भी कर दी है। अतिरिक्त जिला दंडाधिकारी को नगर पालिका परिषद गरियाबंद क्षेत्र का प्राधिकृत अधिकारी बनाया गया है। वहीं, अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) गरियाबंद, मैनपुर, देवभोग, राजिम और छुरा को उनके-अपने राजस्व अनुविभागों के लिए जिम्मेदारी सौंपी गई है। इनके अंतर्गत संबंधित नगर पंचायत क्षेत्र भी शामिल रहेंगे।

निर्देशों के अनुसार, ये अधिकारी आवश्यक परिस्थितियों में ही अधिनियम के प्रावधानों के तहत नलकूप खनन की अनुमति देंगे। यदि कोई व्यक्ति या संस्था नियमों की अनदेखी करते हुए अवैध रूप से नलकूप खनन करता पाया गया, तो उसके खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। यह आदेश तत्काल प्रभाव से लागू कर दिया गया है। प्रशासन ने नागरिकों से अपील की है कि वे जल संरक्षण के इस अभियान में सहयोग करें और नियमों का पालन करते हुए गर्मी के मौसम में जल संकट से बचाव में अपनी भूमिका निभाएं।

## सिन्धी समाज ने साईं झूलेलाल जन्मोत्सव पर निकाली भव्य दुपहिया वाहन रैली व बहराणा साहिब शोभायात्रा



**जगदलपुर (विश्व परिवार)।** सिन्धी समाज के ईष्टदेव साईं श्री झूलेलाल जी के जन्मोत्सव पर हर्ष व उत्साह से चेटीचंड मनाया. चैत्र मास को सिन्धी में चेटी कहा जाता है और चांद को चंड इसलिए चेटीचंड का अर्थ हुआ चैत्र का चांद. ये दिन जल के देवता साईं झूलेलाल को समर्पित है.

पूज्य सिन्धी पंचायत अध्यक्ष मनीष मूलचंदानी ने बताया श्री गुरु सँगत गुरुद्वारा कमेटी व सिन्धी पंचायत तत्वाधान में समाज सदस्यों ने साईं झूलेलाल जन्मोत्सव की पूर्व संध्या में 19 मार्च की रात 9 बजे से भजन कीर्तन व भक्ति संगीत संध्या आयोजन किया सिंधु भवन में, धमतरी से आए भाई साहब हितेश जग्यासी, रोशनी जग्यासी द्वारा भजन कीर्तन होने के पश्चात भोजन प्रसादी की व्यवस्था की गई.

श्री गुरु सँगत गुरुद्वारा कमेटी अध्यक्ष सुंदर भोजवानी ने बताया साईं झूलेलाल अवतरण दिवस एवं सिन्धी नव वर्ष में हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी सुबह 10 बजे से सिन्धी समाज सभी सदस्य, युवा मंडल, सुहिणी सोच महिला विंग सभी सदस्य भगवा रंग के वस्त्र में भव्य दुपहिया वाहन रैली में शामिल रहे. यह दुपहिया वाहन रैली सिन्धी गुरुद्वारा से निकलकर चाँदनी चौक, शहीद पार्क चौक, कोतवाली चौक, गोल बाजार, सिरहासार चौक, माँ दंतेश्वरी मंदिर, संजय बाजार, चाँदनी चौक होते हुवे रैली सिन्धी गुरुद्वारा पहुंची. पुरे मार्ग में साईं झूलेलाल जी के जयघोष आयो लाल झूलेलाल की पुकार रही. श्री सिन्धी गुरुद्वारा में सुबह 11 बजे से भक्ति संगीत के पश्चात श्री गुरुग्रंथ पाठ साहिब समाप्ति व अरदास, पल्लव, भोग साहिब, प्रसादी वितरण किया गया. गुरुद्वारा कमेटी सचिव ने जानकारी दी सिंधु भवन में दोपहर 2 बजे से आम लंगर किया गया एवं शाम 6 बजे सिन्धी गुरुद्वारा में बहराणा साहिब जी की पूजा समाज सदस्यों द्वारा की गई साथ ही प्रसादी वितरण व शीतल पेय थादल वितरित किया गया. साईं झूलेलाल शोभायात्रा में समाज के सभी सदस्य शामिल होकर छेज नृत्य (डांडिया) के साथ झूलेलाल मार्ग, कोतवाली चौक, मुख्यमार्ग होते हुवे गोल बाजार, सिरहासार चौक से बलिराम कश्यप चौक से महादेव घाट पहुंचे, पुरे मार्ग में आतिशबाजी व प्रसाद वितरण किया गया, यहां महादेव घाट पर नन्हें दीपो की रोशनी व आतिशबाजी से घाट जगमगाया, घाट में निचे नदी किनारे बहराणा साहिब की पूजा, अखो, पल्लव कर प्रसाद व खजाना वितरण किया गया, साथ ही खजाना वितरण किया गया. सिंधु भवन में रात 9 बजे से भोजन प्रसादी की व्यवस्था गई. चेटीचंड पर्व पर सिन्धी समाज सदस्यों की समस्त दुकाने अवकाश रही. सिन्धी पंचायत के संरक्षक गोवर्धन दास नवतानी व उपाध्यक्ष सुनील दंडवानी ने कहा साईं झूलेलाल जन्मोत्सव पर बहराणा साहिब की विशेष पूजा की जाती हैं यह बहराणा साहिब पूजा जल व ज्योत के लिए की जाती इस बहराणा साहिब में मीठे चावल, इलायची, लौंग, मेवा व अखो साहिब नदी में परवान किया गया. समाज की जय झूलेलाल टीम की ओर से झूलेलाल मार्ग चौक पर सुबह से शाम तक भंडारा किया गया, समाज के नवयुवक मंडल अध्यक्ष करण बजाज व पदाधिकारियों द्वारा गोल बाजार चौक पर शानदार साजसज्जा की गई शाम शोभायात्रा के दौरान साईं झूलेलाल की बड़ी प्रतिमा की आकर्षक कट आउट लगाया गया साथ ही अद्भुत आतिशबाजी से आकाश जगमगाया.

## अब शांति और विकास की दौड़ लगाएंगे पुनर्वासित जन

### हिंसा का राह छोड़, उम्मीदों की दौड़ बस्तर में नई पहचान की ओर

### शांति, विश्वास और विकास- बस्तर हेरिटेज मैराथन का मजबूत संदेश

**जगदलपुर/** बस्तर की शांत वादियों में इस बार केवल प्रकृति का संगीत नहीं, बल्कि बदलाव और विकास के संकल्प की एक अभूतपूर्व गूँज सुनाई देने वाली है। आगामी 22 मार्च को आयोजित होने वाली बस्तर हेरिटेज मैराथन 2026 केवल एक खेल आयोजन मात्र नहीं है, बल्कि यह क्षेत्र के बदलते स्वरूप की एक जीवंत झांकी पेश करने जा रही है। इस मैराथन की सबसे गौरवशाली और मानवीय तस्वीर उन आत्म-समर्पित माओवादियों के रूप में उभर कर सामने आ रही है, जो कभी दुर्गम जंगलों के अंधेरों में भटकते थे, लेकिन अब समाज की मुख्यधारा का अभिन्न हिस्सा बनकर इस खेल महाकुंभ में अपनी शारीरिक शक्ति और जीवटता का परिचय देने को बेताब हैं। हिंसा का मार्ग त्याग कर शांति की राह चुनने वाले इन युवाओं का यह उत्साह इस बात का पुख्ता प्रमाण है कि बस्तर अब पुराने संघर्षों के साये से बाहर निकलकर खेल, साहस और शौर्य के वैश्विक मंच पर अपनी एक नई और सकारात्मक पहचान गढ़ रहा है। बस्तर की फिज़ाओं में अब हिंसा के बारूद की नहीं, बल्कि उम्मीदों और सपनों की उड़ान की खुशबू तैर रही है। कभी जिन हाथों में बंदूकें हुआ करती थीं और जो पैर घने जंगलों की खाक छानते थे, वे अब बस्तर मैराथन के ट्रैक पर अपनी किस्मत आजमाने और एक नई पहचान बनाने को पूरी तरह तैयार हैं। दंतेवाड़ा के लोन वर्राटू (घर वापस आइए) अभियान और पूना मारगेम (पुनर्वास से पुनर्जीवन) जैसे प्रभावी पुनर्वास कार्यक्रमों के माध्यम से दर्जनों पूर्व नक्सलियों ने हिंसा का रास्ता छोड़ मुख्यधारा में शामिल होने का ऐतिहासिक फैसला किया है। शासन की कल्याणकारी पुनर्वास नीति के तहत ये युवा अब अपनी ऊर्जा का सकारात्मक उपयोग कर रहे हैं और जंगल की संकरी पगडंडियों पर छिपने के बजाय मैराथन की फिनिशिंग लाइन को छूने का लक्ष्य लेकर कड़ी ट्रेनिंग ले रहे हैं।

स्थानीय खेल मैदानों में आयोजित अभ्यास सत्रों के दौरान इन युवाओं का जोश देखते ही बनता है, जहाँ पसीने से तर-बतर चेहरे और दृढ़ संकल्प वाली आँखें बस्तर के बदलते स्वरूप की गवाही दे रही हैं। प्रशिक्षकों का मानना है कि इन युवाओं में अदम्य साहस और बेमिसाल स्टेमिना है, जिसे अब आधुनिक रनिंग तकनीकों के माध्यम से तराशा जा रहा है ताकि वे न केवल दौड़ें, बल्कि जीत का परचम भी लहरा सकें। इस बदलाव का मानवीय पक्ष तब और उभर कर आता है जब शिविर की महिला प्रतिभागी भावुक होकर बताती हैं कि डर के साये से निकलकर अब उन्हें समाज में सम्मान और सुरक्षा मिल रही है। यह अनूठी पहल केवल खेल तक सीमित नहीं है, बल्कि यह जंगल की हिंसा और भटकाव को पीछे छोड़कर एथलेटिक्स में करियर बनाने का एक सुनहरा अवसर है। अनुभवी कोचों द्वारा दी जा रही प्रोफेशनल ट्रेनिंग इन युवाओं को शारीरिक और मानसिक रूप से सुदृढ़ बना रही है, जिससे वे स्थानीय समुदाय के साथ जुड़कर एक नई पहचान तलाश रहे हैं।

अंततः यह प्रयास बस्तर में शांति, विश्वास और प्रगति का एक सशक्त संदेश दे रहा है, जहाँ पूरा दंतेवाड़ा इन युवाओं के हौसले को सलाम करते हुए मैराथन के ट्रैक पर उनकी ऐतिहासिक जीत की राह देख रहा है। इस मैराथन के माध्यम से ये पूर्व माओवादी न केवल अपनी दमखम का प्रदर्शन करेंगे, बल्कि पूरी दुनिया को यह संदेश भी देंगे कि यदि सही दिशा और अवसर मिले, तो बस्तर का हर हाथ राष्ट्र निर्माण की प्रक्रिया में एक महत्वपूर्ण सहभागी बन सकता है। ऐतिहासिक लालबाग मैदान की मिट्टी से शुरू होकर विश्व प्रसिद्ध चित्रकोट जलप्रपात के कल-कल करते तटों पर समाप्त होने वाली यह 42 किलोमीटर की फुल मैराथन इन समर्पित युवाओं की भागीदारी को विशेष रूप से रेखांकित करेगी।

**छत्तीसगढ़ शासन, जल संसाधन विभाग**
**कार्यालय कार्यपालन अभियंता**
**जल संसाधन संभाग, छुईखदान, जिला-खैरागढ़-छुईखदान-गण्डई (छ.ग.)**
**अल्पावधि निविदा आमंत्रण सूचना (प्रथम आमंत्रण)**

निविदा सूचना क्रमांक 18/व.ले.लि./2025-26, छुईखदान, दिनांक 18.03.2026

निम्नलिखित कार्य हेतु मुख्य अभियंता, महानदी गोदावरी कछार, जल संसाधन विभाग, रायपुर के कार्यालय में पंजीकृत बेरोजगार स्नातक सिविल अभियंताओं से निविदा प्रपत्र ए-ए (Form A-a) में निविदाएं दिनांक 06.04.2026 तक कार्यालयीन समय तक केवल रजिस्टर्ड पोस्ट / स्पीड पोस्ट के माध्यम से आमंत्रित की जाती है :-

| स.क्र. | कार्य का नाम / विवरण | कार्य की लागत राशि (रु. लाख में) | कार्य की लागत राशि (रु. लाख में) |
|---|---|---|---|
| 1 | 2 | 3 | 4 |
| 1 | खैरागढ़-छुईखदान-गण्डई जिले के विकासखंड खैरागढ़ की लमती फीडर जलाशय के नहर कार्य अंतर्गत ओव्हर हेड साईन बोर्ड का निर्माण कार्य। | रू. 8.39 लाख | 02 माह |

निविदा के संबंध में सभी आवश्यक शर्ते एवं मापदण्ड उपलब्ध निविदा प्रपत्र में दी गई है। निविदा से संबंधित महत्वपूर्ण तथ्य निम्नानुसार है :-

निविदा प्रपत्र हेतु आवेदन करने की अंतिम तिथि :- दिनांक 30.03.2026 कार्यालयीन समय तक
निविदा प्रपत्र जमा करने की अंतिम तिथि :- दिनांक 06.04.2026 कार्यालयीन समय तक
निविदा खुलने का दिनांक एवं स्थान :- दिनांक 09.04.2026 सुबह 11.00 बजे से कार्यालय कार्यपालन अभियंता, जल संसाधन संभाग, छुईखदान

इच्छुक निविदाकारों को आवेदन पत्र के साथ बेरोजगार स्नातक सिविल अभियंता का वैध पंजीयन, जी.एस.टी. पंजीयन, पैन कार्ड एवं मूल पुस्तिका प्रस्तुत करने पर निविदा प्रपत्र प्राप्त किया जा सकता है। एक निविदाकार को एक ही कार्य की निविदा प्रपत्र प्रदाय किया जायेगा।

निविदा से संबंधित सभी आवश्यक शर्तों एवं मापदण्ड निविदा प्रपत्र में दी गई है।

जी- 252607276/2

**कार्यपालन अभियंता**
**जल संसाधन संभाग छुईखदान**

# राज्यपाल से रक्षा महाविद्यालय नई दिल्ली के अध्ययन दल ने की सौजन्य भेंट

**रायपुर (विश्व परिवार)।** राज्यपाल रमेन डेका से आज रक्षा महाविद्यालय एनडीसी नई दिल्ली के अध्ययन दल ने सौजन्य भेंट की। रक्षा महाविद्यालय द्वारा के अंतर्गत 16 सदस्यों का दल 15 से 20 मार्च तक छत्तीसगढ़ भ्रमण पर था। अपनी यात्रा के अंतिम दिन आज इस दल ने राज्यपाल श्री डेका से मुलाकात की। अध्ययन दल में भारतीय सशस्त्र सेनाओं के वरिष्ठ अधिकारीगण, मित्र देशों के सेनाधिकारी तथा कुछ सिविल सेवाओं के अधिकारीगण शामिल थे। इस दल ने छत्तीसगढ़ के विभिन्न पर्यटक स्थलों, जैसे-बारनवापारा अभ्यारण्य, ट्राइबल म्यूजियम, पुरखैती मुक्तांगन, बस्तर के विभिन्न जलप्रताप, कोन्डागांव के शिल्पग्राम इत्यादि का भ्रमण किया।

राज्यपाल डेका ने अध्ययन दल के सदस्यों को संबोधित करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ एक सुंदर प्रदेश है। आप सभी दोस्तों और परिवार के सदस्यों को अपने भ्रमण और छत्तीसगढ़ की खूबसूरती के बारे में बताएं, ताकि वे भी पर्यटक के रूप में यहां आ सकें। उन्होंने छत्तीसगढ़ की विशेषताओं के बारे में अध्ययन दल से चर्चा की। उन्होंने बताया कि छत्तीसगढ़ को धान का कटोरा कहा जाता है और यहां पर धान की प्रजातियों को संरक्षित करके रखा गया है। उन्होंने छत्तीसगढ़ की शिल्प कला जैसे ढोकरा आर्ट, वुडन आर्ट, बैम्बु आर्ट के बारे में भी चर्चा की। इस प्रदेश में प्रतिभाशाली लोगों की भी कमी नही है, अमेरिका के ह्यूस्टन में छत्तीसगढ़ के हजारों सॉफ्टवेयर इंजीनियर अपनी सेवाएं दे रहे है। इसके अलावा अमेरिका में बसे छत्तीसगढ़ के प्रवासी लोगों की संस्था नार्थ अमेरिका छत्तीसगढ़ एसोसिएशन (द्बष्ट॥) अमेरिका में स्वदेशी मेले का आयोजन करते है, जहां पर छत्तीसगढ़ की कला, संस्कृति और परंपराओं का प्रदर्शन किया जाता है। उन्होंने इस दौरान ऊर्जा के नवीनीकृत स्त्रोतों को बढ़ावा देने, स्वास्थ्य और शिक्षा क्षेत्र में नवाचार को बढ़ावा देने की बात कही। श्री डेका ने छत्तीसगढ़ सरकार की जनकल्याणकारी नीतियों के बारे में भी अध्ययन दल को अवगत कराया।

अध्ययन दल के सदस्यों ने अपने अनुभव साझा करते हुए छत्तीसगढ़ की सुंदर, संस्कृति, कला और परंपराओं की सराहना की। अध्ययन दल ने छत्तीसगढ़ के आतिथ्य की तारीफ करते हुए कहा कि यहां के लोग सीधे सरल और आत्मीय है। हम सभी को यहां आकर बहुत अच्छा लगा। अध्ययन दल के सदस्यों ने प्रदेश में संचालित लोककल्याणकारी योजनाओं जैसे महतारी वंदन, कृषक उन्नति योजना, नक्सल पुनर्वास नीति आदि की सराहना की।

# प्रेस क्लब के वेबसाइट और यूट्यूब चैनल का शुभारंभ

**रायपुर (विश्व परिवार)।** रायपुर प्रेस क्लब ने डिजिटल युग के साथ कदम मिलाते हुए एक महत्वपूर्ण पहल की है। प्रेस क्लब की नई कार्यकारिणी द्वारा क्लब को हाईटेक बनाने के संकल्प के तहत अधिकृत वेबसाइट और यूट्यूब चैनल का शुभारंभ किया गया। हिन्दू नववर्ष एवं चैत्र नवरात्रि के पावन अवसर पर आयोजित इस कार्यक्रम में स्वदेश समूह के संपादक अतुल तारे मुख्य अतिथि तथा मुख्यमंत्री के मीडिया सलाहकार पंकज झा की अध्यक्षता में विधिवत लॉन्चिंग संपन्न हुई। कार्यक्रम की शुरुआत प्रेस क्लब सभागार में वरिष्ठ पत्रकारों की उपस्थिति में विधि-विधान के साथ पूजा-अर्चना से हुई। इसके पश्चात अतिथियों द्वारा बटन दबाकर प्रेस क्लब की वेबसाइट एवं यूट्यूब चैनल का औपचारिक शुभारंभ किया गया। इस पहल को पत्रकारिता के बदलते स्वरूप के अनुरूप एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। अब प्रेस क्लब की गतिविधियां, कार्यक्रम, संवाद और पत्रकारों से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियां डिजिटल माध्यम से भी व्यापक स्तर पर उपलब्ध होंगी।

मुख्य अतिथि अतुल तारे ने अपने संबोधन में कहा कि वर्तमान समय पूरी तरह डिजिटल मीडिया का है और पत्रकारों के लिए इसके साथ खुद को अपडेट करना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि प्रेस क्लब का यह यूट्यूब चैनल और वेबसाइट पत्रकारों को अपनी बात और खबरों को व्यापक स्तर पर पहुंचाने का सशक्त मंच प्रदान करेगा। उन्होंने यह भी कहा कि डिजिटल प्लेटफॉर्म पर पत्रकारों की जिम्मेदारी और बढ़ जाती है, ऐसे में तथ्यपरक और जिम्मेदार पत्रकारिता करना अत्यंत आवश्यक है। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए पंकज झा ने कहा कि सूचना के माध्यम तेजी से बदल रहे हैं और डिजिटल प्लेटफॉर्म पत्रकारिता का अभिन्न हिस्सा बन चुके हैं। उन्होंने रायपुर प्रेस क्लब की इस पहल को सराहनीय बताते हुए कहा कि इससे स्थानीय पत्रकारों को एक मजबूत डिजिटल पहचान मिलेगी।

# भर्ती व्यवस्था में बड़ा बदलाव: छत्तीसगढ़ कर्मचारी चयन मंडल विधेयक 2026 पारित

**रायपुर (विश्व परिवार)।** छत्तीसगढ़ विधानसभा में आज छत्तीसगढ़ कर्मचारी चयन मंडल विधेयक 2026 पारित होने के साथ ही राज्य की भर्ती प्रणाली में बड़ा संस्थागत बदलाव तय हो गया। इस कानून के माध्यम से राज्य में छत्तीसगढ़ कर्मचारी चयन मंडल की स्थापना की जाएगी, जो तृतीय और चतुर्थ श्रेणी के पदों पर भर्ती प्रक्रिया को एकीकृत, पारदर्शी और समयबद्ध बनाएगा।

विधानसभा में चर्चा के दौरान मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने अपने भाषण में युवाओं को केंद्र में रखते हुए कहा कि विकसित भारत और विकसित छत्तीसगढ़ के निर्माण में युवाओं की भूमिका सबसे अहम है और उनकी सरकार ने पिछले दो वर्षों में भर्ती परीक्षाओं में पारदर्शिता सुनिश्चित करने की दिशा में महत्वपूर्ण उपलब्धियां हासिल की हैं। उन्होंने बताया कि विभिन्न विभागों में 32 हजार से अधिक पदों पर भर्ती प्रक्रिया जारी है और पारदर्शिता को लेकर ठोस कदम उठाए गए हैं। साथ ही, पूर्व सरकार के दौरान पीएससी भर्ती परीक्षा में हुए भ्रष्टाचार की जांच सीबीआई को सौंपकर दोषियों पर कड़ी कार्रवाई की गई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछली कांग्रेस सरकार के लचर रवैये का सीधा नुकसान युवाओं को उठाना पड़ा। युवाओं ने न केवल सिस्टम पर भरोसा खोया, बल्कि आयुसीमा का नुकसान भी झेला। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार ने इस स्थिति को सुधारते हुए अभ्यर्थियों को आयुसीमा में पांच वर्ष की छूट प्रदान की, ताकि वे फिर से अवसर प्राप्त कर सकें। मुख्यमंत्री ने कहा कि इसी सत्र में उनकी सरकार लोक भर्ती एवं व्यावसायिक परीक्षाओं में अनुचित साधनों की रोकथाम विधेयक भी लेकर आई, जो अब पारित हो चुका है, जिससे भर्ती परीक्षाओं में पारदर्शिता बढ़ेगी और गड़बड़ी करने वाले तत्वों पर सख्ती से नकेल कसी जा सकेगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि भर्ती प्रक्रिया को सरल और पारदर्शी बनाने के उद्देश्य से ही अब कर्मचारी चयन मंडल विधेयक 2026 लाया गया है। मुख्यमंत्री श्री साय ने बताया कि अभी तक परीक्षाओं के बेहतर प्रबंधन के अभाव में कई विभागों में पांच-पांच साल में एक बार परीक्षा हो पाती थी, जिससे युवाओं को भारी परेशानी होती थी।

# शहीदी दिवस पर गूंजेगा संकल्प 'माय भारत, मेरी जिम्मेदारी' के साथ 33 जिलों में युवा करेंगे राष्ट्र निर्माण का आगाज



**रायपुर (विश्व परिवार)।** भारत सरकार के युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय के अंतर्गत 'माय भारत' (MY Bharat) प्लेटफॉर्म द्वारा इस वर्ष शहीदी दिवस के अवसर पर छत्तीसगढ़ के सभी 33 जिलों में एक व्यापक राष्ट्रव्यापी अभियान की रूपरेखा तैयार की गई है।

23 मार्च 1931 को महान क्रांतिकारी भगत सिंह, शिवराम राजगुरु और सुखदेव थापर ने मातृभूमि की वेदी पर अपने प्राण न्यौछावर किए थे। उन्हीं अमर बलिदानियों की स्मृति और सम्मान में आयोजित इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य युवाओं में देशभक्ति की भावना के साथ-साथ नागरिक कर्तव्यों के प्रति गहरी जागरूकता पैदा करना है, ताकि वे राष्ट्र निर्माण की प्रक्रिया में सक्रिय भागीदार बन सकें।

इस वर्ष के आयोजनों की मुख्य विशेषता माय भारत, मेरी जिम्मेदारी थीम है, जिसके तहत 23 मार्च को पूरे प्रदेश में एक विशाल पदयात्रा का आयोजन किया जाएगा। इस पदयात्रा में हजारों की संख्या में युवा शामिल होकर शहीदों को अपनी श्रद्धांजलि अर्पित करेंगे और राष्ट्र सेवा का संकल्प लेंगे। कार्यक्रमों की यह श्रृंखला 19 मार्च से ही डिजिटल क्विज और रील मेकिंग जैसी नवाचारपूर्ण प्रतियोगिताओं के साथ शुरू हो चुकी है। इसके अतिरिक्त, 22 मार्च को 'माय भारत सिविक सेंस चैलेंज' के अंतर्गत स्वच्छता, सड़क सुरक्षा और श्रमदान आधारित जन-जागरूकता गतिविधियां संचालित की जाएंगी।

# गुड्स ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन की महत्वपूर्ण बैठक संपन्न

**रायपुर (विश्व परिवार)।** छत्तीसगढ़ चेंबर ऑफ कॉमर्स के प्रदेश अध्यक्ष सतीश थौरानी के नेतृत्व में राजधानी गुड्स ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन की एक महत्वपूर्ण बैठक संपन्न हुई। बैठक में सभी ट्रांसपोर्टरों ने एकमत होकर शासन-प्रशासन से मांग की है कि परचून और चिल्लर बुकिंग का कार्य करने वालों को शहर के बाहर ऐसी जगह शिफ्ट किया जाए जहाँ बेहतर कनेक्टिविटी उपलब्ध हो। एसोसिएशन के अध्यक्ष स्वरूप चोपड़ा ने कहा कि ट्रांसपोर्टरों को व्यवस्थित जगह मिलने से व्यापारिक संचालन में आसानी होगी। बैठक में नीरज बंसल, रोशन शर्मा, रूपक चंद्रवंशी, अंकित जैन, सिद्धार्थ भल्ला, बनारसी लाल पांडे, जगदीश, राजू, अनुज अग्रवाल, विकास अग्रवाल, उमेश वर्मा सहित बड़ी संख्या में ट्रांसपोर्टर सदस्य उपस्थित थे। एसोसिएशन ने प्रशासन से इस समस्या का जल्द समाधान करने का निवेदन किया है।

# कलेक्टर शर्मा ने दिव्यांगजनों को वितरित किया सहायक उपकरण

**बलौदाबाजार (विश्व परिवार)।** कलेक्टर कुलदीप शर्मा ने गुरुवार को कृषि उपज मंडी बलौदाबाजार में समाज कल्याण विभाग के माध्यम से माँ रिहेब आसरा एलिम्कों द्वारा पूर्व में चिन्हांकित 5 दिव्यांगजनों को सहायक उपकरण प्रदान किया। कलेक्टर श्री शर्मा ने कहा कि शासन द्वारा दिव्यांगजनों के लिए अनेक योजनाएं चलाई जा रही है।इनमें एक महत्वपूर्ण योजना सहायक उपकरण से आपको दैनिक कार्य करने और बाहर आने-जाने तथा आपके व्यवसाय मे आवश्यक रुप से सहयोग मिलेगा। साथ ही साथ समाज कल्याण विभाग द्वारा नशामुक्ति हेत शपथ दिलाई गई और नशा से होने वाले दुष्प्रभावों के बारे में बताया गया।

# छत्तीसगढ़ का बजट सत्र रहा अहम, प्रदेश की साय सरकार ने पारित किए महत्वपूर्ण विधेयक: किरण देव

**रायपुर (विश्व परिवार)।** भाजपा प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंहदेव ने छत्तीसगढ़ विधानसभा में चल रहे बजट सत्र में प्रदेश की साय सरकार द्वारा पारित विधेयकों का स्वागत करते हुए कहा कि प्रदेश की विष्णुदेव साय सरकार सर्वजन हिताय एवं जीरो टॉलरेंस की नीति पर कार्य कर रही है। सरकार बनते ही मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में सरकार लगातार एक के बाद एक ऐतिहासिक फैसले ले रही है। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार द्वारा प्रदेश हित के लिए बजट सत्र 2026 में कई महत्वपूर्ण विधेयक पारित किए गए। जिसमें छत्तीसगढ़ धर्म स्वातंर्त्य विधेयक, 2026 , छत्तीसगढ़ कर्मचारी चयन मंडल विधेयक 2026 , छत्तीसगढ़ (लोक भर्ती एवं व्यावसायिक परीक्षाओं में अनुचित साधनों की



रोकथाम) विधेयक 2026, छत्तीसगढ़ उपकर (संशोधन) विधेयक 2026 जैसे महत्वपूर्ण विधेयक पारित किए गए।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष श्री देव ने विधानसभा में पारित विधेयकों के लिए मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि विधेयकों के पारित होने से प्रदेश की जनता को इसका लाभ मिलेगा । भाजपा विधायक दल ने हर विधेयक को ध्वनि मत से पारित करवाया जबकि इसके उलट कांग्रेस ने जनता से जुड़े महत्वपूर्ण विधेयकों में बहिर्गमन कर साबित किया कि जनता से जुड़े विषयों से कांग्रेस का कोई नाता नहीं । उन्होंने कहा कि धर्म स्वातंर्त्य विधेयक, 2026' पारित होने से उन लोगों पर रोक लगेगी। इस बिल की आवश्यकता थी। जिसे लेकर छत्तीसगढ़ की विष्णु देव साय सरकार गंभीर है। कर्मचारी चयन मंडल विधेयक 2026 पारित होने से तृतीय और चतुर्थ श्रेणी के पदों पर भर्ती प्रक्रिया एकीकृत, पारदर्शी और समयबद्ध होगा।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष श्री देव ने कहा कि छत्तीसगढ़ (लोक भर्ती एवं व्यावसायिक परीक्षाओं में अनुचित साधनों की रोकथाम) विधेयक 2026 पारित होने के साथ ही भर्ती परीक्षाओं में पारदर्शिता और सख्ती की दिशा में एक बड़ा कदम उठाया गया है।

# छत्तीसगढ़ में कांग्रेस सरकार के दौरान खुलेआम धर्मांतरण का धंधा चलता रहा : देवलाल ठाकुर

**रायपुर (विश्व परिवार)।** भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता देवलाल ठाकुर ने छत्तीसगढ़ कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष दीपक बैज के धर्म स्वातंर्त्य विधेयक पर दिए गए बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि कांग्रेस शासनकाल में धर्मांतरण का धन्धा छत्तीसगढ़ में भरपूर फला-फूला। भूपेश शासनकाल में धर्मांतरण कराने वाले लोगों के हौसले बुलंद थे वो खुलेआम कहते थे कि धर्मांतरण उनका अधिकार है। छत्तीसगढ़ में हर तरफ विशेषकर आदिवासी जनजातीय क्षेत्रों में कांग्रेस सरकार के संरक्षण में धर्मांतरण तेजी से बढ़ता रहा। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार द्वारा लाया गया धर्म स्वातंर्त्य विधेयक की अवैध धर्मांतरण को रोकने में महत्वपूर्ण भूमिका होगी , अपितु साथ ही वो लोग जो जबरदस्ती , डर व लालच देकर धर्मांतरण कराते



थे उनके विरुद्ध कड़ी कार्यवाही की जावेगी जिससे अवैध धर्मांतरण में नकेल कसी जा सकेगी ।

भाजपा प्रदेश प्रवक्ता देवलाल ठाकुर ने कटाक्ष करते हुए कहा कि जब 2021 में सुकमा के एसपी दिनेश शर्मा ने अपने मातहतों को धर्मांतरण के मुद्दे पर सजग रहने के लिए पत्र लिखा। दिसंबर 2021 में बस्तर कमिश्नर ने धर्मांतरण के विषय में सजग करते हुए पत्र लिखा तब कांग्रेस को छत्तीसगढ़ का सांप्रदायिक सौहार्द बिगड़ता नहीं नजर आया। मई 2022 को प्रदेश के गृहमंत्री ताम्रध्वज साहू अपने समाज के लोगों को धर्मांतरण से बचने की सलाह दे रहे थे तब इन्हें छत्तीसगढ़ का सांप्रदायिक सौहार्द बिगड़ता नही दिखा। भाजपा प्रदेश प्रवक्ता देवलाल ठाकुर ने कहा कि बस्तर संभाग सहित पूरे छत्तीसगढ़ के जनजातीय क्षेत्र में तत्कालिक कांग्रेस सरकार ने जिस प्रकार से नारायणपुर में पास्टर, पादरी एवं अवैध धर्मांतरित लोगों ने 400-500 की संख्या में एकत्रित होकर न केवल आदिवासी समाज के लोगों पर धारदार हथियार, लाठी-डण्डा से वार किया , अपितु मौके पर पहुंची पुलिस पर भी घातक रूप से हमला किया । इस घटना के खिलाफ आदिवासी समाज द्वारा कार्रवाई करने की मांग पर तत्कालिक भूपेश सरकार की मंशा के अनुरूप आदिवासी समाज के ही मुखिया, आदिवासियों एवं सनातन धर्म को मानने वाले लोगों पर झूठे व गंभीर धाराएं लगाकर जबरन गिरफ्तार कर जेल भेज दिया ।

# एनटीपीसी लारा में छत्तीसगढ़ अंडर-20 फुटबॉल चैंपियनशिप शुरू, युवा प्रतिभाओं को मिला मंच



**रायपुर (विश्व परिवार)।** प्रदेश में खेल प्रतिभाओं को निखारने और युवाओं में खेल भावना विकसित करने के उद्देश्य से एनटीपीसी लारा में 'छत्तीसगढ़ अंडर-20 अंतर-जिला राज्य फुटबॉल चैंपियनशिप 2025-26' का शुक्रवार को शुभारंभ हुआ। मैत्री नगर स्थित मेजर ध्यानचंद स्टेडियम में आयोजित इस प्रतियोगिता का उद्घाटन परियोजना प्रमुख सुभाष ठाकुर ने किया।

उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि खेल केवल प्रतिस्पर्धा का माध्यम नहीं, बल्कि व्यक्तित्व विकास का महत्वपूर्ण आधार भी है। अनुशासन, समर्पण और टीम भावना से ही खिलाड़ी सफलता प्राप्त कर सकते हैं। उन्होंने खिलाड़ियों को पूरे उत्साह और खेल भावना के साथ प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित किया।

कार्यक्रम में महाप्रबंधक (प्रचालन एवं अनुरक्षण) केशव चंद्र सिंह रॉय, ष्टढ्ढस्स्न के डिप्टी कमांडेंट महावीर सिंह सहित एनटीपीसी के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

प्रतियोगिता का उद्घाटन मुकाबला जिला फुटबॉल संघ बालोद और कोरबा के बीच खेला गया। दोनों टीमों के खिलाड़ियों ने बेहतरीन तालमेल और कौशल का प्रदर्शन किया।

11 जिलों के खिलाड़ी ले रहे भाग -इस चैंपियनशिप में कोरबा, बालोद, दंतेवाड़ा, रायगढ़, बिलासपुर, दुर्ग, सूरजपुर, रायपुर, कोंडागांव, कोरिया और नारायणपुर जिलों के खिलाड़ी भाग ले रहे हैं। इनमें बड़ी संख्या ग्रामीण और अंचल क्षेत्रों के युवाओं की है, जो अपनी प्रतिभा दिखाने के लिए उत्साहित हैं।

राष्ट्रीय स्तर तक पहुंचने का अवसर- प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों का चयन आगामी राष्ट्रीय अंडर-20 फुटबॉल चैंपियनशिप के लिए किया जाएगा। इससे युवाओं को अपने करियर को नई दिशा देने का अवसर मिलेगा।

# दुर्ग, बलरामपुर के बाद रायगढ़ में अफीम की खेती सरकारी संरक्षण से ही संभव: दीपक बैज

**रायपुर (विश्व परिवार)।** प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि दुर्ग बलरामपुर के बाद अब रायगढ़ के तमनार थाना क्षेत्र के आमघाट गांव में अफीम खेती का मामला सामने आया है। मादक पदार्थ अफीम की खुले आम खेती प्रदेश के सभी क्षेत्रों में हो रही है। इसका सीधा मतलब है कि इस खेती के पीछे सरकार का संरक्षण है। जो मामले पकड़ा रहे वह जनजागरूकता के कारण पकड़ा रहे सरकार अफीम की खेती करने वालो को संरक्षण दे रही है।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि राज्य में अफीम की खेती की निष्पक्ष जांच होनी चाहिये। बिना सरकार के संरक्षण के पूरे प्रदेश में नशे का इतना बड़ा कारोबार संभव नहीं है। भाजपा ने विनायक ताम्रकार को केवल निलंबित किया है, निष्कासित



नहीं। उसे कौन बचा रहा है? विनायक ताम्रकार पुलिस ने मुख्य अभियुक्त क्यों नहीं बनाया, सरकार उसे क्यों बचा रही है? बलरामपुर में अफीम की खेती करने वाले को भाजपा के किस नेता का संरक्षण था, जनता जानना चाहती है? बलरामपुर में तो जिस जमीन पर अफीम की खेती हो रही थी, गिरदावरी में वहाँ अन्य फसल लगा होना बताया है, मतलब सरकारी अमले को पता था वहाँ अफीम की खेती हो रही थी, इसका मतलब साफ है कि सत्ता के संरक्षण में ही यह सब कुछ हो रहा है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि दुर्ग में अफीम खेती का सरगना विनायक ताम्रकार के भाजपा के वरिष्ठ नेताओं के साथ मधुर संबंध थे। भाजपा के राष्ट्रीय प्रभारी अजय जामवाल, बीएल संतोष, केन्द्रीय मंत्री तोखन साहू, केन्द्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान, दुर्ग सांसद विजय बघेल, कृषि मंत्री रामविचार नेताम, शिक्षा मंत्री गजेन्द्र यादव, गृह मंत्री विजय शर्मा भाजपा संगठन के दर्जनों नेताओं के साथ उसकी फोटो तथा भाजपा के कार्यक्रमो में उसकी सक्रिय सहभागिता बताती है। अफीम की खेती के पीछे विनायक ताम्रकार एक छोटा मोहरा है। असली में पूरी भाजपा को उसका संरक्षण मिला हुआ है। इस काले धंधे में सभी शामिल थे।

**दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे**

**निविदा सूचना**

**ई-निविदा सूचना क्र.:** WRSR-09-25-26-OT-BogieRT दिनांक: 16.03.2026
**कार्य का नाम:** डब्ल्यूआरएस/रायपुर के परिसर के भीतर 'CASNUB बोगियों के संपूर्ण POH' के लिए खुली निविदा के माध्यम से दो वर्ष की अवधि हेतु कार्य अनुबंध। **अनुमानित निविदा मूल्य:** ₹ 1,25,95,200/-, (रु. एक करोड़ पच्चीस लाख पचानवे हज़ार दो सौ मात्र) @18% जीएसटी सहित। **बयाना राशि:** ₹ 2,13,000/- (रु. दो लाख तेरह हज़ार मात्र), **निविदा दस्तावेज लागत:** ₹ 0.00, **मात्रा एवं संविदात्मक अवधि:** संलग्नक के अनुसार, 24 (चौबीस) माह की अवधि हेतु, **बिड प्रारंभ की तारीख:** दिनांक **30.03.2026**, **निविदा समाप्ति तिथि व समय:** दिनांक **13.04.2026** को **15:00** बजे, **पात्रता मापदंड:** वेबसाइट पर देखा जा सकता है।
इस निविदा के विरुद्ध मैनुअल प्रस्ताव स्वीकार नहीं किया जाएगा। निविदा का पूर्ण विवरण वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध है व देखा जा सकता है।

**उप मुख्य यांत्रिक अभियंता,**
**वैरिशा, दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे,**
**रायपुर**

PR/R/WRS/MS/365
South East Central Railway @secrail

**जल ही जीवन है। इसे बचाएं**

दैनिक
# विश्व परिवार
महानगर

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com
रायपुर, शनिवार 21 मार्च 2026

**रायपुर में 23 मार्च को प्लेसमेंट कैम्प का आयोजन,**

**रायपुर ( विश्व परिवार )।** जिले के स्थानीय शिक्षित बेरोजगार युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराने के उद्देश्य से जिला रोजगार एवं स्वरोजगार मार्गदर्शन केन्द्र, रायपुर द्वारा 23 मार्च 2026 को सुबह 11:00 बजे से दोपहर 03:00 बजे तक प्लेसमेंट कैम्प का आयोजन किया जाएगा। इस प्लेसमेंट कैम्प में निजी क्षेत्र के दो नियोजक शामिल होंगे। वोडाफोन आइडिया लिमिटेड रायपुर द्वारा अर्बन प्रमोटर (महिला/पुरुष) के 100 पदों पर भर्ती की जाएगी, जिसके लिए न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता 10वीं, 12वीं एवं स्नातक/स्नातकोत्तर निर्धारित है।



### जैन (बैसाखिया) परिवार में विवाह उत्सव

## चि. आदित्य संग सौ.कां सिमरन का शुभ पाणिग्रहण संस्कार सौउल्लास संपन्न

**जबलपुर( विश्व परिवार )।** नागपुर शहर के प्रतिष्ठित व्यापारी नायक श्री देवेंद्र जैन बैसाखिया जी- कीर्तिशेष श्रीमती सुनीता जी बैसाखिया के सुपुत्र चिरंजीव आदित्य का शुभ मंगल पाणिग्रहण संस्कार जबलपुर निवासी श्री सुधीर जैन सिंघई जी - श्रीमती सारिका जैन सिंघई की सुपुत्री सौ.कां. सिमरन के साथ गत दिवस दिनांक 14 मार्च, दिन शनिवार को नेशनल हाईवे 12 स्थित सी वर्ल्ड विवाह स्थल जबलपुर मैं भव्य आयोजन के मध्य सानंद संपन्न हुआ। उत्सव में उभय पक्ष के सगे- संबंधी जनों शुभचिंतकों, ईष्ट मित्रों समाजसेवियों, व्यापारियों ने सम्मिलित होकर के नव दंपति को अपनी हार्दिक शुभकामनाएं भेंट की। आगंतुकों का स्वागत श्रीमती प्रभा - प्रकाशचंद बैसाखिया, श्रीमती चंद्रप्रभा - कमलकुमार बैसाखिया, श्री देवेंद्र कुमार - बाबूलाल बैसाखिया,

श्रीमती अनीता - अनुराग बैसाखिया, श्रीमती दीप्ति - नितिन बैसाखिया, श्रीमती अंगूरी - भगचंद्र जैन, श्रीमती सरोज - गुलाबचंद जैन, श्रीमती जयंती - ऋषभचंद्र जैन, श्रीमती सरला - कीर्तिशेष सुनील जैन, श्रीमती सविता - कीर्तिशेष प्रदीप कुमार जैन, श्रीमती उषा - दिनेश कुमार जैन, श्रीमती किरण - राकेश कुमार जैन, श्रीमती संध्या - दिलीप कुमार जैन, श्रीमती प्रीति - महेश कुमार जैन, श्रीमती नीति - सनित कुमार जैन, श्रीमती श्रुष्टि - भूपेंद्र हजारी, श्रीमती दिव्या - संभव जैन, ओम, ईशान, आन्या, काव्या, कियारा, मोइशा एवं समस्त बैसाखिया जैन परिवार ने किया। दैनिक विश्व परिवार परिवार नव दम्पति के भावी यशस्वी, सुदीर्घ एवं सुखी जीवन हेतु अपनी हार्दिक शुभकामनाएं प्रेषित करता है।

### छत्तीसगढ़ में जल क्रांति का नया अध्याय: जल जीवन मिशन 2.0 पर ऐतिहासिक एमओयू

## ग्रामीण जल व्यवस्था को मजबूत करने की दिशा में ऐतिहासिक कदम

**रायपुर ( विश्व परिवार )।** मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय आज छत्तीसगढ़ विधानसभा में जल जीवन मिशन 2.0 के तहत केन्द्र और राज्य के बीच एमओयू कार्यक्रम में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से शामिल हुए। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय और केंद्रीय जलशक्ति मंत्री श्री सी आर पाटिल की वर्चुअल मौजूदगी में अधिकारियों ने एमओयू पर हस्ताक्षर कर एक्सचेंज किया।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि राज्य की ग्रामीण पेयजल व्यवस्था को सुदृढ़ करने की दिशा में यह पहल ऐतिहासिक है। उन्होंने कहा कि हर घर जल के लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए जल जीवन मिशन 2.0 के तहत हुये एमओयू

से इन कार्यों में गति मिलेगी। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में 10 मार्च 2026 को केंद्रीय मंत्रिमंडल ने जल जीवन मिशन के विस्तारित चरण, जल जीवन मिशन 2.0 को मंजूरी दी है। इस चरण में जल सेवा वितरण प्रणाली को मजबूत करने के साथ-साथ जनभागीदारी को भी सुनिश्चित किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने बताया कि राज्य में अब तक 41 लाख 30 हजार से अधिक ग्रामीण परिवारों, यानी लगभग 82.66 प्रतिशत घरों को नल कनेक्शन उपलब्ध कराया जा चुका है। श्री साय ने कहा कि जल जीवन मिशन के तहत दूरस्थ, वनांचल और आदिवासी क्षेत्रों तक शुद्ध पेयजल पहुंचने से महिलाओं को बड़ी राहत मिली है, जिन्हें पहले पानी के लिए दूर-दूर तक जाना पड़ता था। उन्होंने कहा कि मिशन 2.0 के तहत ग्राम स्तर पर जल प्रबंधन में समुदाय की भागीदारी बढ़ाने और जल स्रोतों के संरक्षण पर विशेष जोर दिया जाएगा। साथ ही जल संवर्धन, पुनर्भरण तथा योजनाओं के संचालन और रखरखाव को मजबूत बनाने के लिए राज्य सरकार प्रतिबद्ध है। मुख्यमंत्री श्री साय ने बताया कि इस एमओयू के माध्यम से पारदर्शी और तकनीक आधारित जल सेवा प्रणाली विकसित की जाएगी, जिससे ग्रामीण क्षेत्रों में जल वितरण और अधिक व्यवस्थित एवं सुदृढ़ होगा।मुख्यमंत्री ने नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में पेयजल सुविधा को और बेहतर बनाने के लिए केंद्रीय मंत्री से 1300 करोड़ रुपये की विशेष स्वीकृति का आग्रह भी किया। इस स्वीकृति से 70 समूह जल प्रदाय योजनाओं के माध्यम से प्रदेश के 3 हजार से अधिक गांवों तक पेयजल पहुंचाने में मदद मिलेगी।

### चैत्र नवरात्रि पर्व पर गन्ना किसानों को मिली बड़ी सौगात

## डीप्टी सीएम शर्मा के विशेष प्रयासों से भोरमदेव शक्कर कारखाने ने जारी किए 5.97 करोड़

**कवर्धा संवाददाता, रत्नेश गुप्ता।** चैत्र नवरात्रि के पावन पर्व पर गन्ना किसानों को बड़ी सौगात मिली है। उप मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा के विशेष प्रयासों से भोरमदेव सहकारी शक्कर उत्पादक कारखाना मर्यादित, राम्हेपुर (कवर्धा) द्वारा गन्ना किसानों को 5.97 करोड़ की राशि जारी की गई है। इसके साथ ही कारखाना द्वारा अब तक गन्ना किसानों को 57.48 करोड़ का भुगतान पूर्ण किया जा चुका है। नियमित और समयबद्ध भुगतान से क्षेत्र के किसानों में उत्साह, संतोष और प्रसन्नता का वातावरण बना हुआ है। कलेक्टर एवं कारखाने के प्राधिकृत अधिकारी श्री गोपाल वर्मा के मार्गदर्शन में भुगतान प्रक्रिया निरंतर जारी है, जिससे सहकारी व्यवस्था में किसानों का विश्वास और अधिक मजबूत हुआ है। कारखाना प्रबंधन ने बताया कि यह निरंतरता किसानों की

आर्थिक मजबूती के साथ-साथ कारखाने के सुचारु संचालन को भी स्थायित्व प्रदान कर रही है। कारखाना प्रबंधन द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार चालू पेराई सत्र में 255818 मीट्रिक टन गन्ने की पेराई तथा 3,09,120 क्विंटल शक्कर का उत्पादन किया जा चुका है। यह उपलब्धि किसानों के सहयोग, जिला प्रशासन के मार्गदर्शन और कारखाने की बेहतर कार्यक्षमता का संयुक्त परिणाम मानी जा रही है। कारखाने के द्वारा स्थापना के समय से आज तक किसानों की आर्थिक एवं सामाजिक उन्नति में महत्वपूर्ण योगदान दिया गया है।

तथा प्रारंभ से ही जिले की अर्थव्यवस्था के इंजन के रूप में कार्य किया जा रहा है। गन्ने की फसल के लिए किसानों को शासन द्वारा निर्धारित मूल्य की गारंटी प्रदान करना, जिससे उनका आर्थिक हित सुरक्षित बना रहे।

## पूर्व विधायक जुनेजा के कार्यालय पहुंचे प्रसिद्ध अभिनेता कृष्णा अभिषेक

**रायपुर ( विश्व परिवार )।** मुंबई के प्रसिद्ध अभिनेता कृष्णा सुदेश आज रायपुर उत्तर के पूर्व विधायक कुलदीप जुनेजा के देवेंद्र नगर स्थित कार्यालय पहुंचे। इस दौरान उन्होंने सहज वातावरण में सभी के साथ बैठकर चाय की चुस्की ली और आत्मीय संवाद किया। अपने दौरे के दौरान कृष्णा सुदेश ने दवाई के लंगर का अवलोकन किया और इस सेवा कार्य की सराहना की। उन्होंने कहा कि जरूरतमंदों को नि:शुल्क दवाइयां उपलब्ध कराना एक अत्यंत सराहनीय पहल है, जो समाज में मानवता और सेवा भाव को सुदृढ़ करती है। दवाई लंगर के माध्यम से लगातार जरूरतमंद लोगों को नि:शुल्क दवाइयां उपलब्ध कराई जा रही हैं, जिससे अनेक लोगों को लाभ मिल रहा है।

## शैक्षिक महासंघ, कुशाभाऊ ठाकरे पत्रकारिता एवं जनसंचार विश्वविद्यालय इकाई द्वारा नव संवत्सर कार्यक्रम आयोजित

**रायपुर ( विश्व परिवार )।** अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ कुशाभाऊ ठाकरे पत्रकारिता एवं जनसंचार विश्वविद्यालय इकाई एवं अग्रसेन महाविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान धान में वर्ष प्रतिपदा नव संवत्सर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। पुरानी बस्ती स्थित अग्रसेन महाविद्यालय में नव संवत्सर उत्सव आयोजित हुआ। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में कुशाभाऊ ठाकरे पत्रकारिता एवं जनसंचार विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. मनोज दयाल ने कहा कि सनातन हिन्दू धर्म से जुड़े महत्वपूर्ण कार्य नवसंवत्सर कैलेंडर से प्रारंभ होते हैं। कुटुंब प्रबोधन, सामाजिक सरोकार और मानवता की समझ और समाज में इसके प्रचार प्रसार में मीडिया की भूमिका महत्वपूर्ण है। विशिष्ट वक्ता के रूप में मौजूद अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ छत्तीसगढ़ के प्रांत संयोजक एवं वरिष्ठ प्राध्यापक प्रो. आर डी शर्मा ने कहा कि हिंदू नव वर्ष की शुरुआत से जुड़ी

आध्यात्मिक और वैज्ञानिक तथ्यों की जानकारी होना आवश्यक है।कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए महाविद्यालय के डायरेक्टर डॉ व्ही के अग्रवाल ने कह कि युवा पीढ़ी को अपनी जड़ों से जुड़े रहने की जरूरत है। अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ के कुशाभाऊ ठाकरे पत्रकारिता एवं जनसंचार विश्वविद्यालय इकाई के अध्यक्ष डॉ. नरेंद्र त्रिपाठी ने कहा कि हिन्दू नववर्ष मनाने का अर्थ हमें तीज त्योहारों और हिंदू संस्कृति के ज्ञान से है।

## श्रम विभाग की लापरवाही से श्रमिकों की मौत: सन्नी अग्रवाल

**रायपुर ( विश्व परिवार )।** रामकृष्ण केयर हॉस्पिटल में बिना किसी सुरक्षा उपकरण के गटर की सफाई करने उतरे तीन सफाई कर्मचारियों की असमय मृत्यु ने एक बार फिर औद्योगिक और प्रबंधकीय लापरवाही को उजागर कर दिया है। यह केवल एक दुर्घटना नहीं, बल्कि सुरक्षा मानकों की अनदेखी के कारण की गई हत्या है। अस्पताल परिसर के सीवरेज टैंक की सफाई के लिए तीन मजदूरों को बिना किसी ऑक्सीजन मास्क, लाइफ जैकेट या सुरक्षा किट के जहरीले गटर में उतार दिया गया। दम घुटने से तीनों की मौके पर ही मौत हो गई। प्रशासन और संबंधित ठेकेदार ने अपनी जिम्मेदारी से पल्ला झाड़ते हुए

मृतकों के परिजनों को मात्र 30-30 लाख रुपये का मुआवजा देकर मामले को रफा-दफा करने का प्रयास किया है। यह घटना किसी एक संस्थान तक सीमित नहीं है। प्रदेश भर में ऐसे तमाम कारखाने और संस्थान संचालित हैं, जहाँ मजदूरों को जान जोखिम में डालकर काम करने पर मजबूर किया जाता है। आज भाजपा सरकार श्रम विभाग और सुरक्षा नियमों का पालन सुनिश्चित कराने में पूरी तरह विफल हो रही है। आगे अग्रवाल जी ने कहा कि पूर्व की सरकार में इन बातों का विशेष ध्यान रखा जाता था किंतु वर्तमान बीजेपी सरकार के श्रम मंत्री को श्रम विभाग की तरफ झांकते भी नहीं है।

## रेलवे महाप्रबंधक तरुण प्रकाश ने भिलाई स्थित इलेक्ट्रिक लोको शेड का निरीक्षण किया

**रायपुर( विश्व परिवार )।** दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के महाप्रबंधक श्री तरुण प्रकाश जी ने आज 20 मार्च 2026 को भिलाई स्थित इलेक्ट्रिक लोको शेड का आधिकारिक दौरा किया। इस दौरे का उद्देश्य लोकोमॉटिव के रखरखाव प्रक्रियाओं की समीक्षा करना, तकनीकी सुविधाओं का आकलन करना और शेड के भीतर चल रहे विकास कार्यों का मूल्यांकन करना था। इस दौरे के दौरान, महाप्रबंधक ने ट्रैक्शन मोटर ओवरहॉलिंग अनुभाग का निरीक्षण किया, जहाँ ट्रैक्शन मोटर ओवरहॉलिंग की पूरी प्रक्रिया का प्रदर्शन किया गया। ट्रैक्शन मोटरों की विश्वसनीयता, दक्षता और प्रदर्शन सुनिश्चित करने के लिए अपनाई जाने वाली व्यवस्थित प्रक्रियाओं के बारे में

विस्तृत जानकारी दी गई। महाप्रबंधक ने इलेक्ट्रॉनिक अनुभाग के कामकाज की भी समीक्षा की, जहाँ यह बताया गया कि विभिन्न प्रकार के इलेक्ट्रॉनिक कार्डों की मरम्मत और रखरखाव आंतरिक प्रयोगशाला में किया जाता है। मरम्मत क्षमताओं को बढ़ाने और बाहरी स्रोतों पर निर्भरता कम करने पर जोर दिया गया। इसके अतिरिक्त, विफलता के रुझानों से संबंधित मुद्दों पर प्रकाश डाला गया और कंपनियों ने विश्वसनीयता में सुधार और बार-बार होने वाली खराबी को कम करने के लिए सुझाव दिए। इसके अलावा, महाप्रबंधक ने गति शक्ति इकाई (जीएसयू) द्वारा किए जा रहे शेड विस्तार कार्य की प्रगति की समीक्षा की।

समय पर कार्य पूरा करने और विस्तारित बुनियादी ढांचे का अधिकतम उपयोग सुनिश्चित करने के लिए सुझाव दिए गए। इस निरीक्षण के दौरान आकर्षण नवीनीकृत रसायन एवं धातु विज्ञान (सीएंडएम) प्रयोगशाला का शुभारम्भ किया गया रसायन एवं धातु विज्ञान (सी×एम) प्रयोगशाला में उन्नत निदान और परीक्षण प्रक्रियाओं का विस्तृत प्रदर्शन किया गया । ट्रांसफार्मर तेल की स्थिति की निगरानी के लिए घुलित गैस विश्लेषण (डीजीए), धातु सामग्री और घिसाव कणों का पता लगाने के लिए मलबे मीटर विश्लेषण, और तेलों की इन्सुलेशन क्षमता का आकलन करने के लिए ब्रेकडाउन वोल्टेज (बीडीवी) परीक्षण।

## संस्कृति का पहला जन्मदिन उल्लास पूर्वक मनाया गया

**रायपुर ( विश्व परिवार )।** शहर के प्रतिष्ठित व्यापारी जैन (जूस के संचालक) श्री दिनेश- श्रीमती रोशनी की नन्ही बिटिया संस्कृति के पहले जन्मदिन का आयोजन बड़े ही हर्षोल्लास और उत्साह के साथ किया गया। कार्यक्रम का आयोजन 18 मार्च दिन बुधवार को रियल कॉम्बो रेस्टोरेंट में किया गया, जहां स्थल को आकर्षक सजावट, रंग-बिरंगे गुब्बारों और रोशनी से सजाया गया जिससे माहौल बेहद खुशनुमा हो गया। इस अवसर पर संस्कृति अपने माता-पिता के साथ बेहद प्यारी लग रही थी। कार्यक्रम में परिवार के वरिष्ठ सदस्य संस्कृति के दादा-दादी श्री राजकुमार जैन- श्रीमती शशि जैन, श्री दिनेश- श्रीमती रोशनी सहित अन्य परिजनो ने आगंतुकों का स्वागत किया। अतिथियों के लिए स्वादिष्ट व्यंजनों की व्यवस्था की गई थी तथा सभी ने इस आयोजन का भरपूर आनंद लिया। सभी उपस्थित जनों ने बच्ची को अपना स्नेह एवं आशीर्वाद प्रदान किया। दैनिक विश्व परिवार रायपुर नन्ही बिटिया संस्कृति के यशस्वी, सुदीर्घ एवं उज्जवल भविष्य की मंगल कामना करता है।

## भगवान महावीर जन्मकल्याणक महोत्सव 2026: भक्ति, सेवा और सांस्कृतिक उत्सव का संगम

- धार्मिक अनुष्ठान, सांस्कृतिक कार्यक्रम और भव्य शोभायात्रा की रुपरेखा तैयार

**रायपुर ( विश्व परिवार )।** भगवान महावीर जन्मकल्याणक महोत्सव 2026 के अवसर पर राजधानी रायपुर में इन दिनों धार्मिक, सामाजिक और सांस्कृतिक गतिविधियों की भव्य श्रृंखला जारी है। महोत्सव समिति के संरक्षक पूर्व कैबिनेट मंत्री, छत्तीसगढ़ शासन श्री राजेश मूणत के मार्गदर्शन में जन्मकल्याणक मनाया जा रहा है। रायपुर प्रेस क्लब में प्रेसवार्ता में पत्रकारों से चर्चा करते हुए शुक्रवार को महोत्सव समिति के अध्यक्ष चंद्रेश शाह, महासचिव गोल्डी लूनिया,

कोषाध्यक्ष विकास सेठिया, कार्यकारी अध्यक्ष हेमंत बैद और सचिव आनंद जैन ने बताया कि महोत्सव समिति, समता युवा संघ और विभिन्न सामाजिक संगठनों के सहयोग से आयोजित ये कार्यक्रम शहर में उत्सव का विशेष माहौल बना रहे हैं। बड़ी संख्या में लोग इन आयोजनों में भाग लेकर आस्था और सेवा से जुड़ रहे हैं।

महोत्सव के अंतर्गत 16 मार्च से 30 मार्च 2026 तक 15 दिवसीय रक्तदान शिविर का आयोजन किया जा रहा है। प्रतिदिन सुबह 7:30 से 10:30 बजे तक शहर के अलग-अलग स्थानों पर यह शिविर आयोजित हो रहा है। जैन मंदिरों और सामुदायिक भवनों में लगाए जा रहे इन शिविरों में लोगों का उत्साह देखते ही बन रहा है। विभिन्न ब्लड बैंकों और अस्पतालों के सहयोग से यह अभियान जरूरतमंदों के लिए जीवनदायिनी पहल बन गया है।

समता युवा संघ द्वारा प्रतिदिन सुबह 6:30 बजे महावीर संदेश यात्रा निकाली जा रही है। यह प्रभात फेरी शहर के विभिन्न क्षेत्रों से गुजरते हुए अहिंसा, सत्य और संयम का संदेश फैलाती है। इसमें युवाओं के साथ-साथ महिलाएं और बुजुर्ग भी उत्साहपूर्वक भाग ले रहे हैं, जिससे धार्मिक जागरूकता का वातावरण मजबूत हो रहा है।

भैरव सोसायटी, विमलनाथ मंदिर परिसर के हरिसूरी आराधना भवन में 22 मार्च को 251 आयंबिल का आयोजन किया गया है। इस धार्मिक अनुष्ठान में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लेकर साधना करेंगे और भगवान महावीर के सिद्धांतों को आत्मसात करने का संकल्प लेंगे। आयंबिल में बिना तेल, घी, मिर्च-मसाले का भोजन होता है, यह केवल दिन के समय में एक बार किया जाता है। आयंबिल में रस का त्याग होता है, क्योंकि भोजन में कोई स्वाद नहीं होता।

महावीरास लिल निर्वाणास 2.0 कार्यक्रम का आयोजन 22 मार्च को होगा, जिसमें 5 से 15 वर्ष तक के बच्चे भाग लेंगे। खेल, लकी ड्रॉ, स्टॉल और मनोरंजक गतिविधियों के माध्यम से बच्चों को संस्कृति और धर्म से जोड़ने का प्रयास किया गया है।

## कलेक्टर के मार्गदर्शन में अग्नि सुरक्षा कार्यशाला

**रायपुर।** कलेक्टर डॉ गौरव सिंह के मार्गदर्शन में भीषण गर्मी के पूर्व अग्नि सुरक्षा के मद्देनजर आज कलेक्ट्रेट परिसर स्थित रेडक्रॉस सभाकक्ष में जागरूकता कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में कपड़ा व्यापारी एवं दवा व्यापारी सहित जिला प्रशासन की टीम ने सहभागिता की। कार्यक्रम का उद्देश्य गर्मी के समय होने वाले संभावित अग्नि दुर्घटनाओं की रोकथाम एवं सुरक्षा उपायों के प्रति जागरूकता बढ़ाना था। इस दौरान नगर सेना के निर्देशक श्री चंद्रमोहन सिंह ने व्यापारियों को आग लगने के प्रमुख कारणों, उससे बचाव के उपायों एवं आपात स्थिति में त्वरित कार्रवाई के संबंध में विस्तृत जानकारी दी।

प्रकाशक, मुद्रक, स्वामी प्रियेश कुमार जैन द्वारा आसमां पब्लिसर्स इंडिया प्रा.लि. पंजाब नेशनल बैंक के सामने, जयस्तंभ चौक, रायपुर से मुद्रित एवं ओलंपस जिम के पीछे, सेक्टर-1, शंकर नगर रायपुर ( छ.ग. ) से प्रकाशित। संपादक : प्रदीप कुमार जैन, फोन नं. : 0771- 4017966, मो.- 9981924252 RNI.NO.CHHHIN/2013/50354